संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 49 शुक्रवार 20 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

धक्का-मुक्की मामले पर संसद में मचा भारी बवाल

» संसद में धक्का-मुक्की पर शिवराज बोले राहुल ने गुंडागर्दी की:कांग्रेस ने लोकतंत्र को कुचला...

» राहुल बोले...अडाणी मुद्दे से ध्यान भटकाने की बीजेपी की स्ट्रैटजी

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2024(ए)। संसद में गुरुवार सुबह हुई धक्कामुक्की की घटना को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम शांति से प्रदर्शन करने आए थे, लेकिन भाजपा ने मसल पावर दिखाया। ये उनका अडाणी जैसे जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने का तरीका है। वहीं, भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि अगर खड़गे-राहुल को माफी नहीं मांगनी थी तो प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। उनका अहंकार झलक रहा है। आज जो संसद में हुआ उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कांग्रेस ने गुंडे-पहलवान संसद में भेजे हैं।

दरअसल, भाजपा सांसद प्रताप सारंगी ने सुबह आरोप लगाया था कि राहुल ने उनके साथ धक्का-मुक्की की, जिससे उनके सिर में चोट आई। पार्टी के एक अन्य सांसद मुकेश राजपूत ने भी राहुल पर यही आरोप लगाए थे। हालांकि राहुल ने कहा कि भाजपा सांसदों ने उन्हें संसद में जाने से रोका, धमकाया और धक्का-मुक्की की।

संसद में गुरुवार सुबह आईएनडीआईए ब्लॉक अंबेडकर पर दिए शाह के बयान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा था। इसी दौरान भाजपा और विपक्षी सांसद आमने-सामने आ गए। इस घटना के बाद ही धक्का-मुक्की शुरू हुई। गृहमंत्री कुछ बोलने से पहले फैक्ट चेक किया करें ।

खड़गे ने कहा कि, कल हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उसमें हमने बहुत सी चीजें आपको बताई थीं। और एक मुद्दा हमारे सामने आया है, जो आज की सरकार खासकर प्रधानमंत्री जी और हमारे होम मिनिस्टर बयान जो दे रहे हैं अंबेडकर पर, वो दुखदायक है। आप बगैर फैक्ट देखे बिना प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बोल रहे हैं। जांच तो कर लें कि फैक्ट्स क्या हैं। उसके बाद आप नेहरू जी को गालियां दें, अंबेडकर को अपमानित करें।

संविधान पर चर्चा में अमित शाह ने भगवान की अलग व्याख्या कर दी

खड़गे ने कहा- 14 दिन सदन चलाने के लिए हमारा संकल्प था और हमने रोज प्रोटेस्ट किया। रोज मुद्दा था कि अडाणी जो देश को लूट रहे हैं, जो लूटने दे रहे हैं, उनके ऊपर हमारा हमला था, लेकिन बीच में जब संविधान की चर्चा आई, उस वक्त शाह जी को कहां से समझ में आया, किसने ज्ञान दिया,मुझे नहीं मालूम। उन्होंने भगवान की व्याख्या भी अलग कर दी।खड़गे ने कहा-अंबेडकर पूजनीय हैं, लेकिन शाह ने कहा कि कितना अंबेडकर, अंबेडकर बोलते हो, अगर इतना भगवान का नाम लेते तो 7 जन्म तक स्वर्ग में रहते। यह मानसिकता जिस लीडर की हो, वो निंदनीय है।

अडाणी से ध्यान भटकाने के लिए धक्का-मुक्की की गई

खड़गे बोले, अडाणी को पोर्ट, रोड, जमीन के ऊपर-नीचे जो है सब दे रहे हैं। रोज उसको बोलना चाहिए कि जहां जगह मिले, वहां नमस्ते करो बैठ जाओ और पैसे आ जाएंगे। ये लोग कभी भी अपनी गलती नहीं मान रहे हैं। हमने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री शाह को बर्खास्त करें। हमें मालूम है कि वो बर्खास्त नहीं करेंगे। सारे हिंदुस्तान में इसको लेकर प्रोटेस्ट हो रहे हैं, कई लोग, कई बच्चे कर रहे हैं। इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए दूसरे मुद्दे उठा रहे हैं।

कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी

खड़गे ने कहा, हम ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। देशव्यापी आंदोलन होगा। हर जगह आंदोलन इनकी गलती की वजह से चल रहा है। शाह ने कहा था कि खड़गे ने तोड़-मरोड़कर भाषण पेश किया है। मेरे स्टेटमेंट को जरा अच्छा दिखाइए, ऐसा 3 बार उन्होंने कहा। करने दीजिए उन्हें, सच बात उन्हें बतानी चाहिए, हमें नहीं। ज्यादा पब्लिसिटी उन्हीं की होती है। उनकी पूरी स्पीच कवर होती है। हमने ना धक्का दिया ना कुछ किया, वो हम पर आरोप लगाते जा रहे हैं।

राहुल जानबूझकर हमारे सांसदों के बीच आए...

शिवराज सिंह ने कहा कि, आज संसद के बाहर जो हुआ वह अशालीन, अशोभनीय और गुंडागर्दी से भरा व्यवहार था, जिसकी सभ्य समाज कल्पना नहीं कर सकता। विरोध प्रकट करने का अधिकार है। कांग्रेस भी कई दिनों से ऐसा कर रही थी। मकरद्वार पर उनके मेंबर्स खड़े होते थे, हम दरवाजा बदल लेते थे या चुपचाप चले जाते थे। आज जब भाजपा मेंबर्स वहां विरोध कर रहे थे, तब राहुल आए। सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि आप स्पेस का इस्तेमाल अंदर जाने के लिए करें। जानबूझकर, सोच-समझकर राहुल हमारे सांसदों के बीच पहुंच गए। उन्होंने ऐसा व्यवहार किया।

कांग्रेस ने संविधान को पैरों तले कुचला

शिवराज ने कहा कि हमारी आदिवासी सासंद कोन्याक ने जो कहा, उसे सुनकर दुख से मन भर जाता है। सभापति जी कह रहे कि सांसद उनके पास रोते हुए आए। क्या महिला आदिवासी सासंद के साथ ऐसा व्यवहार किया जाएगा। मां बहन और बेटी का सम्मान भारत की परंपरा रही है। मैं तो कार्यक्रमों में जाता हूं तो बेटियों के पैर धोता हूं, लेकिन कांग्रेस के सांसदों ने मर्यादाएं तोड़ दीं। अध्यक्ष की आसंदी के ऊपर चढ़ गए। आसंदी की मर्यादा को पैरों तले रौंदा गया। संविधान को कुचला गया।

कांग्रेस सदन में गुंडे-पहलवान चुन रही है...

शिवराज ने कहा कि कांग्रेस ने डेमोक्रेसी को कलंकित करने का पाप किया है। इसके लिए देश उन्हें माफ नहीं करेगा। यह गैर भारतीय आचरण है। अभी तक हम उम्मीदवार का चयन करते थे तो उसकी प्रेजेंटेशन की पावर देखते थे, लेकिन कांग्रेस ने परंपरा बदल रही है। पहलवान, गुंडे, उठाकर पटकने वाले चुन रही है। यह शर्मनाक है और मेरा सिर शर्म से झुक गया। हमारे सांसदों ने इसकी शिकायत भी की है। जो उचित और वैधानिक कार्रवाई होगी, भाजपा करेगी।

एक दिन पहले शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, बोले- मेरा बयान तोड़ा-मरोड़ा

राज्यसभा में अंबेडकर को लेकर अपनी टिप्पणी पर गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि संसद में बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। भाजपा के सदस्यों ने ऐसा ही किया। जब साबित हो गया कि कांग्रेस अंबेडकर विरोधी पार्टी है तो कांग्रेस ने अपनी पुरानी रणनीति अपनाते हुए बयानों को तोड़ना-मरोड़ना शुरू कर दिया।

शाह ने कहा था कि- खड़गेजी इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें आनंद हो रहा है तो शायद मैं दे भी दूं पर उससे उनका काम नहीं बनना है। अभी 15 साल तक उन्हें जहां हैं, वहीं बैठना है, मेरे इस्तीफे से उनकी दाल नहीं गलने वाली।

इससे पहले खड़गे ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी को लेकर बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह को रात 12 बजे से पहले बर्खास्त कर दें। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह एक-दूसरे के पापों और बातों का बचाव करते हैं।दरअसल, गृह मंत्री शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा था ,अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर,अंबेडकर...इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कांग्रेस ने इसे अंबेडकर का अपमान बताते हुए शाह के इस्तीफे की मांग की है।

अखाड़ा बना सदन...
दो सांसद घायल,आईसीयू में भर्ती हुए सांसद मुकेश राजपूत, केंद्रीय मंत्री ने कहा...हमारे एमपी भी हाथ उठा देते तो?

डॉ. आंबेडकर के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस के बीच जारी खींचतान ने संसद को राजनीतिक अखाड़ा बना दिया है। गृह मंत्री अमित शाह की आंबेडकर पर टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने उनके इस्तीफे की मांग की, जबकि भाजपा ने कांग्रेस पर आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया।इस बीच, संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की की घटना ने विवाद को और हवा दे दी है। भाजपा सांसद प्रताप सारंगी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सारंगी का कहना है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो उनके ऊपर गिर गया। इस घटना में सारंगी घायल हो गए। वहीं, फर्रुखाबाद से भाजपा सांसद मुकेश राजपूत को भी चोट लगी है और वे आईसीयू में भर्ती हैं।

सियासी संग्राम छिड़ा...बीजेपी के बाद कांग्रेस सांसद पहुंचे थाने

संसद परिसर में हुआ धक्का-मुक्की का मामला बढ़ता ही जा रहा है. अब इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने बीजेपी के 3 सांसद संसद मार्ग थाने पहुंचे हैं. शिकायती आवेदन लेकर बांसुरी स्वराज, अनुराग ठाकुर और हेमांग जोशी थाने पहुंचे हैं. बता दें कि कांग्रेस की महिला सांसद भी संसद मार्ग पुलिस स्टेशन गयी।

राहुल गांधी पर महिला सांसद ने लगाया चौंकाने वाला आरोप

संसद में धक्का-मुक्की कांड पर विवाद बढ़ गया है. इस बीच, बीजेपी ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने महिला सांसद को धक्का दिया, जिससे वो डर गई और असहज हो गईं. राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने स्वीकार किया है कि उनके पास महिला सांसद की शिकायत आई है. महिला सांसद उनके पास रोते हुए आई थीं. दरअसल, नागालैंड की सांसद फांगनोन कोन्याक ने खुद पर हमले का आरोप लगाया है. इस मामले में राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप

धनखड़ का बयान आया है. उन्होंने कहा, महिला सांसद मेरे पास रोती हुए आई थीं. मेरे पास सूचना है. उन्होंने मुझे लिखित शिकायत दी है. सांसद मुझसे मिली हैं. मैं इस पर चर्चा कर रहा हूं. वो बहुत शॉक में थीं. मैं इस मामले में ध्यान दे रहा हूं. इससे पहले बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, कांग्रेस बौखला गई है. राहुल गांधी ने गैर प्रजातांत्रिक तरीके से हमारे सांसदों के साथ धक्कामुक्की की. हमारे 2 सांसद घायल हुए. नागालैंड की बीजेपी महिला सांसद फांगनोन कोन्याक को राहुल गांधी ने धक्का दिया. वो प्रताड़ना के बराबर है. नागालैंड बीजेपी की सांसद फांगनोन कोन्याक भी सामने आई हैं. उन्होंने कहा, राज्यसभा के चेयरमैन से मिल चुकी हूं. मैं अपनी सुरक्षा की मांग कर चुकी हूं. अभी मेरा दिल बहुत भारी है. आज मैं बाहर शांतिपूर्वक प्रोटेस्ट कर रही थी. राहुल गांधी बहुत करीब आकर खड़े हो गए. मैं अनकंफर्टेबल हो गई थी. राहुल गांधी मेरे ऊपर चिल्लाने लगे. राहुल गांधी को शोभा नहीं देता है कि एक महिला सांसद पर वो ऐसे चिल्लाएं. मैं बहुत दुखी हूं और मैं सुरक्षा चाहती हूं. उन्होंने कहा, मैं अनुसूचित जनजाति वर्ग से ताल्लुक रखती हूं और राहुल का ये बर्ताव अच्छा नहीं लगा. महिला सांसद कोन्याक ने शिकायती पत्र में कहा, मैं मकर द्वार (संसद) की सीढ़ियों के ठीक नीचे हाथ में एक तख्ती लिए खड़ी थी. सुरक्षाकर्मियों ने दूसरे दलों के सांसदों के लिए प्रवेश द्वार तक रास्ता बना रखा था. अचानक विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी अन्य पार्टी सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए रास्ता बनाया गया था. उन्होंने (राहुल गांधी) ऊंची आवाज में चिल्लाना शुरू कर दिया. वे मेरे इतने करीब आ गए थे कि मैं पूरी तरह अनकम्फर्टेबल हो गई और एक महिला सदस्य होने के नाते मुझे बहुत असहज महसूस हुआ. कोन्याक ने शिकायत में आगे कहा कि वह भारी मन से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों से पीछे हटीं और एक तरफ हो गईं, लेकिन मुझे लगा कि किसी भी संसद सदस्य को इस तरह से व्यवहार नहीं करना चाहिए.

खरगे भी हुए धक्का-मुक्की में घायल
स्पीकर को लिखा पत्र, कहा- मुझे भी लगी चोट

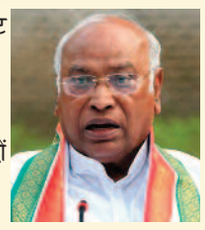

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गुरुवार को उस चोट पाने वाले नेताओं की सूची में शामिल किया गया, जो सत्ताधारी और विपक्षी सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की के दौरान घायल हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में, खरगे ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने उन्हें धक्का दिया और जमीन पर गिरने के लिए मजबूर किया, जिससे उनके घुटने में चोट आई। खरगे ने बताया कि इस चोट के कारण उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी।

खरगे ने पत्र में लिखा, इसके बाद, कांग्रेस के सांसदों ने मुझे एक कुर्सी पर बैठने में मदद की और मैं बड़ी मुश्किल से, अपने सहयोगियों की मदद से, लंगड़ाते हुए सुबह 11 बजे सदन में पहुंचा। उन्होंने यह भी बताया कि 82 वर्षीय खरगे का 2017 में दिल्ली के एम्स अस्पताल में बाएं घुटने का ऑपरेशन हुआ था।

सीएम के मीडिया सलाहकार ने कांग्रेस पर लगाया गंभीर आरोप..

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के आरोपों के बीच, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने कांग्रेस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। झा ने सोशल मीडिया में कांग्रेस पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में बाबा साहेब का आपत्तिजनक कार्टून प्रकाशित किया गया था।

पंकज झा ने दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान एनसीईआरटी की किताबों में एक कार्टून प्रकाशित किया गया था, जिसमें दिखाया गया था कि जवाहरलाल नेहरू बाबा साहेब अंबेडकर को कोड़े मार रहे हैं। यह घटना उस समय की है जब कपिल सिब्बल शिक्षा मंत्री थे और योगेंद्र यादव एनसीईआरटी के सलाहकार थे। झा ने लिखा, ÷यह कांग्रेस के इतिहास का एक और काला अध्याय है, जब बच्चों को ऐसी अशोभनीय चीजें पढ़ाई गईं। आज कांग्रेस बाबा साहेब के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रही है।

पावर सेंटर में पोस्टिंग की पैरवी

» डेपुटेशन से लौटे आईएएस अफसर सुबोध सिंह बनेंगे

» सीएम साय के प्रिंसिपल सेक्रेटरी

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2024(ए)। प्रदेश की रमन सिंह सरकार में लगातार पॉवर में रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सुबोध सिंह सेन्ट्रल डेपुटेशन से वापस लौट रहे हैं। राज्य के सीनियर और रिजल्ट देने वाले आईएएस सुबोध सिंह को सिर्फ मंत्रालय में बिठाने के लिए नहीं बुलाया जा रहा है। बेदाग़ छवि और बढ़िया रिजल्ट देने वाले भारतीय प्रशासनिक अफसर की कमीं राज्य के मौजूदा मुखिया बिष्णुदेव साय ने महसूस की। तभी तो उन्होंने उनके पावर सेंटर में पोस्टिंग की पैरवी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सुबोध को भेजने का आग्रह किया था। अमित शाह दिल्ली गए और उसके दूसरे दिन सुबोध का आदेश निकल गया। सुबोध को छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े पावर सेंटर में पोस्टिंग देने की तैयारी है। 1997 बैच के प्रिंसिपल सिकरेट्री रैंक के आईएएस सुबोध सिंह दिल्ली से लौट रहे हैं। भारत सरकार ने उनका आदेश जारी कर दिया है। आदेश में स्पष्ट लिखा हैज्छत्तीसगढ़ सरकार के आग्रह पर उन्हें भेजा जा रहा है। चूकि हायर लेवल के निर्देश के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ भेजने का आदेश हुआ है।

उत्तराखंड में अगले महीने लागू होगा यूसीसी

शिमला,19 दिसम्बर 2024(ए)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता जनवरी 2025 से लागू हो जाएगी। यह ऐलान बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी लागू करने की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। यह कानून 'सबका साथ, सबका विकास, और सबका विश्वास' की भावना को आगे बढ़ाएगा और समाज को एक नई दिशा देगा। खासकर, यह देवभूमि की महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा।÷ उन्होंने यह बात राज्य सचिवालय में उत्तराखंड इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड की बैठक में कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि मार्च 2022 में नई सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रस्ताव पास हुआ। इसके लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने की।

18 अक्टूबर को सौंपा गया मसौदा

यूसीसी के नियमों और कार्यान्वयन को लेकर ड्राफ्ट रिपोर्ट मुख्यमंत्री को 18 अक्टूबर 2024 को सौंपी गई। इस रिपोर्ट में शादी और तलाक के पंजीकरण, लिव-इन रिलेशनशिप, जन्म और मृत्यु पंजीकरण, और उत्तराधिकार से संबंधित नियम शामिल हैं।

मानवता शर्मसार:पति की हुई मौत तो पत्नी को निर्वस्त्र कर दिया...

गुमला,19 दिसम्बर 2024 (ए)। झारखंड के गुमला जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इसके लिए युवक के घर वालों ने उसकी पत्नी को ही जिम्मेदार करार दे दिया। इतना ही महिला निर्वस्त्र कर उसके साथ मारपीट की। आरोपी महिला के बाल काटकर उसकी हत्या करने जा रहे थे कि गनीमत रही कि महिला आरोपियों के चंगुल से छूटकर भागने में सफल रही। पीड़ति ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल पूरा मामला गुमला जिले में सदर थाना क्षेत्र के वृंदा नायक टोली का है।

पुलिस के मुताबिक सिमडेगा जिला के कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पोढा टोली निवासी संदीप लोहरा यहां रविवार को तालाब में नहा रहा था। इसी दौरान डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर उसकी पत्नी बलकी देवी, उसके साथ ससुर एवं अन्य रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और शव को लेकर कोलेबिरा आए। यहां महिला बलकी देवी के ससुराल वाले उसे ही इसके लिए जिम्मेदार बताकर मारपीट करने लगे।

इसके बाद महिला के ससुराल वालों ने न सिर्फ लाठी डंडे से मारपीट की, बल्कि उसकी साड़ी खींच कर निर्वस्त्र कर दिया और कैंची से बाल काटकर उसकी हत्या करने वाले थे। पीड़ति के मुताबिक उसने बड़ी मुश्किल से वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। गांव पहुंचने पर उसके परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक मृतक संदीप लोहरा और उसकी पत्नी बलकी देवी के तीन बच्चे हैं।

परिवार का पालन पोषण करने के लिए दोनों मजदूरी करते थे। ससुराल में काम नहीं मिलने पर बलकी देवी अपने पति के साथ मायके वृंदा नायक टोली आ गई थी। रविवार की दोपहर दोनों तालाब गए थे। बलकी देवी कपड़े धो रही थी और उसका पति नहाने के लिए तालाब में उतर गया। इसी दौरान डूबने से उसकी मौत हो गई।

मुंबई बोट हादसे में 13 लोगों की मौत

110 लोगों को बचाया गया

मुंबई ,19 दिसम्बर 2024(ए)। मुंबई में बोट हादसे में अब तक 110 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। मुंबई पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन में तेजी के लिए दो और बोट को भेज दिया है। इसके अलावा, मुंबई पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं।शुरुआती जांच में पता चला है कि किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी।

संपादकीय

कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक

साल 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने कार्यस्थलों पर यौन उत्पीडऩ रोकने का अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया। लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा दिशा-निर्देशों से जाहिर होता है।कार्य स्थलों पर यौन उत्पीडऩ रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने 27 साल पहले जारी किए थे। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने ये निर्देश जारी किए,जिन्हें विशाखा गाइडलाइन्स' के रूप में जाना जाता है। उन दिशा-निर्देशों की भावना के मुताबिक कानून बनाने में 15 साल लग गए। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने यह अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया, लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जाहिर होता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने निर्देश दिया है कि पॉश कानून को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाए।अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर 2024 तक हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। यह अधिकारी 31 जनवरी 2025 तक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा और तालुका स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करें और मार्च 2025 तक रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, कानून बनने के 11 साल बाद भी ये सारे कदम नहीं उठाए गए हैं।ताजा निर्देश एक याचिका पर आया, जिसमें गुजारिश की गई है कि कोर्ट केंद्र और राज्य सरकारों से पूछे कि क्या सभी मंत्रालयों और विभागों में यौन उत्पीडऩ के आरोपों की जांच की समिति का गठन हो गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस कानून को पूरे देश में लागू किया जाना है। कोर्ट तीन महीने के भीतर सर्वेक्षण करने और 31 मार्च 2025 तक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दे रहा है। पॉश अधिनियम की धारा 26 में प्रावधान है कि कोई विभाग, मंत्रालय या निजी संगठन अपने यहां जांच समिति का गठन नहीं करता है, तो उस पर 50,000 रु. तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मगर ऐसी समितियां आज तक बनी ही नहीं हैं। यह देश में कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक है।

कनाडा में सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त

तेईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय-समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था।कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस-कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली-भांति पूछताछ कर ली जाती तो षडयंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षडयंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षडयंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए। पर ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षडयंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है।सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक-विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफाम्रेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन-शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते-धमकाते हैं,आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने-जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं।यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीटयूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीषर्क है कनाडा'ज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्म'। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं।इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीषर्क है-कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीषर्क है, द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा-इन्क्रीज्ड थ्रेट इन ` कल्चर ऑफ इनडिफेरेंस'। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख-दर्द बढ़ गए हैं। बाब रे, जो आनटेरियो के मंत्री रह चुके थे, को कनिष्क त्रासदी की जांच का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त और परेशान है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि कनाडा सरकार आतंकवाद पर नियंत्रण रखने की अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी भली-भांति निभाए।

-भारत डोगरा-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कोलकाता से राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन कैसे

अगर संसद के शीतकालीन सत्र में पहले तीन हफ्ते की कार्यवाही की रोशनी में विपक्षी राजनीति को देखें तो यह सवाल उठता है कि अगर राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खडग़े नेता नहीं होते हैं और ममता बनर्जी को कमान मिलती है तो विपक्षी राजनीति का स्वरूप कैसा होगा? क्या ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन को एक रखते हुए उसे भाजपा के खिलाफ ज्यादा प्रभावी तरीके से लडऩे के लिए तैयार कर पाएंगी? यह बड़ा सवाल है क्योंकि एक तो ममता बनर्जी ने कहा है कि वे पश्चिम बंगाल नहीं छोड़ेंगी और वहीं रह कर विपक्षी गठबंधन का संचालन करेंगी। कोलकाता से कैसे राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन होगा, यह समझना मुश्किल है। ऐसा लग रहा है कि वे डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की पोजिशनिंग कर रही हैं। वे अपने को राष्ट्रीय नेता और कोलकाता को शक्ति पीठ दिखाना चाहती हैं ताकि बांग्ला मानुष में गर्व की भावना भर सकें और अगला चुनाव जीत सकें। यही राजनीति पिछले साल तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव ने की था। उन्होंने तेलंगाना राष्ट समिति का नाम बदल कर भारत राष्ट समिति किया था और अपने को राष्ट्रीय नेता बताना शुरू किया था लेकिन वे चुनाव में पीट गए थे।अब ममता बनर्जी वही राजनीति कर रही है। उनका मकसद किसी तरह से 2026 का विधानसभा चुनाव जीतना है। उनको पता है कि अगला चुनाव बहुत मुश्किल होगा। लगातार 15 साल के राज की एंटी इन्कम्बैंसी को किसी बड़े गेमप्लान से ही काउंटर किया जा सकता है। दूसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक राज्य की पार्टी है। उन्होंने अनेक राज्यों में पैर फैलाने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसलिए बाकी प्रादेशिक पार्टियों के लिए भी उनका नेतृत्व स्वीकार करना मुश्किल होगा। कहने को सभी पार्टियां तैयार हो जाएंगी कि वे विपक्षी गठबंधन की नेता बनें लेकिन वे कोई सामूहिक फैसला सभी पार्टियों से लागू करवा पाएंगी इसमें संदेह है। तीसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की प्रकृति अकेले चलने की है। वे हमेशा एकला चलो की राजनीति करती हैं और उनकी राजनीति बंगाल केंद्रित होती है। तभी वे चाहे जिस गठबंधन में रहें वहां उनका टकराव चलता रहता है। वे जब कांग्रेस में थीं तो कांग्रेस के सभी नेताओं से उनका झगड़ा चलता था। फिर जब अपनी पार्टी बनाई और भाजपा से तालमेल किया तो भाजपा से उनकी लड़ाई चलती रही और जब कांग्रेस के गठबंधन में आईं तो वहां भी लड़ाई चलती रहीं। उन्होंने कांग्रेस छोड़ कर अपनी पार्टी बनाई, फिर भाजपा को छोड़ कर कांग्रेस से गठबंधन किया और फिर कांग्रेस को छोड़ कर अकेले लड़ीं। अब फिर वे गठबंधन की नेता बनना चाहती हैं लेकीन उनकी एकला चलो वाली प्रकृति बाधा बनेगी।भारत के अब तक के राजनीतिक इतिहास को देखें तो किसी प्रादेशिक पार्टी के राष्ट्रीय गठबंधन का नेतृत्व करने की मिसाल नहीं मिलेगी। कांग्रेस के खिलाफ जनता पार्टी बनी तो सभी विपक्षी पार्टियों के विलय से बनी थी। हमेशा सबसे बड़ी पार्टी नेतृत्व करती रही है। एनडीए में भी भले टीडीपी या जनता दल यू के नेता संयोजक होते थे लेकिन नेतृत्व भाजपा के हाथ में ही होता था। संयोजक का पद प्रतीकात्मक होता था। फैसला अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही करते थे। सरकारों की बात करें तो उस मामले में भी सबसे बड़ी पार्टी के हाथ में सत्ता होने से ही स्थिरता रहती है। चाहे वीपी सिंह की सरकार हो या चंद्रशेखर की या एचडी देवगौड़ा की सरकार हो या आईके गुजराल की हर बार सबसे बड़ी पार्टी के नेता के हाथ में कमान नहीं थी। वाजपेयी की 1998 की सरकार के अपवाद को छोड़ दें तो उसके बाद 1999, 2004 और 2009 में सबसे बड़ी पार्टी ने कमान संभाली और सरकारों ने कार्यकाल पूरा किया।बहरहाल, ममता बनर्जी के समर्थन में यह तर्क दिया जा रहा है कि वे भाजपा से लड़ती हैं और सीधी लड़ाई में उसको हरा देती हैं। लेकिन एक प्रदेश में सीधी लड़ाई में भाजपा को हरा देना अगर कोई पैमाना है तो कई नेता दावेदार हो जाएंगे। झारखंड में हेमंत सोरेन ने भी लगातार दो मुकाबले में भाजपा को हराया है और गठबंधन का भी नेतृत्व किया है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल भी लगातार भाजपा को हरा रहे हैं। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक आयाम वाला गठबंधन बनाने के लिए सिर्फ यह मानक नहीं तय किया जा सकता है कि जो नेता एक राज्य में भाजपा को हराए उसे राष्ट्रीय नेता बना दिया जाए। उसकी राजनीतिक विचारधारा, भाजपा से सैद्धांतिक लड़ाई लडऩे की उसकी क्षमता, उसका राजनीतिक इतिहास, संगठन की ताकत, अखिल भारतीय स्तर पर पार्टी का फुटप्रिंट, नेता की प्रतिबद्ता और दबाव में नहीं आने की क्षमता जैसी कई चीजें देखी जाती हैं। ममता बनर्जी की सीमाएं हैं और वे दबाव में भी हैं। ऐसे ही हर प्रादेशिक पार्टी की सीमाएं होती हैं और वे केंद्र की सत्ता के दबाव में बहुत आसानी से आ जाते हैं। तभी चाहे मंशा कितनी भी सही हो लेकिन राष्ट्रीय गठबंधन का नेतृत्व किसी प्रादेशिक पार्टी को सौंपना कभी भी बहुत फलदायक नहीं होता है। इसलिए किसी प्रादेशिक पार्टी को नेतृत्व सौंपने से इंडिया' का भाजपा से मजबूती से लडऩे वाला स्वरूप नहीं बन पाएगा।

-हरिशंकर व्यास-

गठबंधन की अनिवार्यताओं के बीच भारत का केंद्रीकरण

नरेंद्र मोदी सरकार की एक राष्ट्र-एक चुनाव योजना के लिए विधायी मंजूरी पाने की जल्दबाजी में कार्यकारी शक्ति, कार्यक्रमों और चुनाव कार्यक्रमों के केंद्रीकरण की ओर निरंतर बढ़ते कदम को पलटना असंभव प्रतीत होता है। भाजपा विरोधी विपक्ष और सत्तारूढ़ एनडीए के भीतर बिखरी हुई आवाज़ों, जो ज़्यादातर दबी हुई हैं, के गले में चाहे यह बात चुभ जाए, संविधान में संशोधन करने वाले प्रस्तावित विधेयक को एक ऐसी संसद से मंजूरी मिलनी ही है, जिसने प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व में कार्यकारी शक्ति की इच्छा के आगे झुकना सीख लिया है, जो धार्मिक अल्पसंख्यकों, ख़ासकर मुसलमानों की विविधता को दरकिनार करते हुए ईश्वर और हिंदू बहुसंख्यकों दोनों से सीधा संबंध होने का दावा करते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन और हरियाणा में पार्टी की तीसरी बार जीत का इस्तेमाल करके, मोदी सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में संख्या की कमी को प्रभावी ढंग से दूर कर लिया है। तथ्य यह है कि भाजपा के पास अपने बल पर बहुमत नहीं है और इसलिए उसके पास एक राष्ट-एक चुनाव प्रस्तावित विधेयक जैसे प्रतिमान-परिवर्तनकारी संवैधानिक कानून लाने का जनादेश नहीं है, यह एक अप्रासंगिक बहस है। यह इस संदर्भ में है कि ममता बनर्जी द्वारा भाजपा विरोधी भारत ब्लॉक का नेतृत्व करने के लिए अस्वीकार करना मुश्किल है, जो काफी अव्यवस्थित है, फिलहाल, एक असफल चाल है- देर आए दुरुस्त आए। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भारत ब्लॉक के निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी, जिसमें इसने 238 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने 240 सीटें जीतीं और एनडीए ने कुल 543 सीटों में से 293 सीटें जीतीं। यह हरियाणा में बुरी तरह विफल रही, प्रत्याशित जीत से हार छीन ली; यह जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र में कम प्रदर्शन करके विफल रही और यह उस गति को बनाए रखने में विफल रही, जिसे भारत ब्लॉक ने लोकसभा चुनाव के दौरान हासिल किया था। कांग्रेस और भारत के गुट को जिस मुद्दे पर काम करना चाहिए था, वह था कांग्रेस और भाजपा के बीच का बड़ा अंतर; उसने ऐसा नहीं किया और न ही भारत के गुट ने, बल्कि मतदाताओं की कल्पना और समर्थन पर अपनी पकड़ को कमज़ोर समझने के बजाय, सीटों के बंटवारे को लेकर झगड़ना पसंद किया। जैसा कि प्रधानमंत्री दावा करते हैं, उनका एक हैं तो सुरक्षित हैं मंत्र महाराष्ट्र के मतदाताओं के बीच गूंज उठा, जिससे उन्हें छह महीने पहले ही लोकसभा चुनाव में हारने का मौका मिल गया। वह और भाजपा के सोशल मीडिया कार्यकर्ता, साथ ही आरएसएस और व्यापक संघ परिवार के लोग, झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भाजपा की विफलताओं को छिपाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

-शिखा मुखर्जी-

गोवा की मुक्ति...राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की युक्ति

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट,मध्यप्रदेश

5 अगस्त को जिस समय समस्त भारत में स्वतंत्रता की 9 वीं वर्षगांठ की खुशियां मनाई जा रही थी। उस समय अखण्ड भारत के पुजारी माता के लाडले, वीर देशभक्त बर्बर पुर्तगालियों की बन्दूकों के सामने सीने खोलकर बढ़ रहे थे। उन पर निरन्तर भीषण रूप में गालियां बरसाई जा रही थीं। एक-दो नहीं ठीक 51 वीरों ने उस दिन मां की वेदी पर स्वजीवन की आहुति चढ़ाई। घायलों की संख्या तो 300 के लगभग पहुंच गई। एक छोटे से क्षेत्र में एक दिन में निहत्थे लोगों की इतनी बड़ी संख्या में हत्या की गई हो इसका उदाहरण संसार के इतिहास में ढूंढ़ने पर शायद ही मिल सके।

पुर्तगालियों भारत छोड़ो

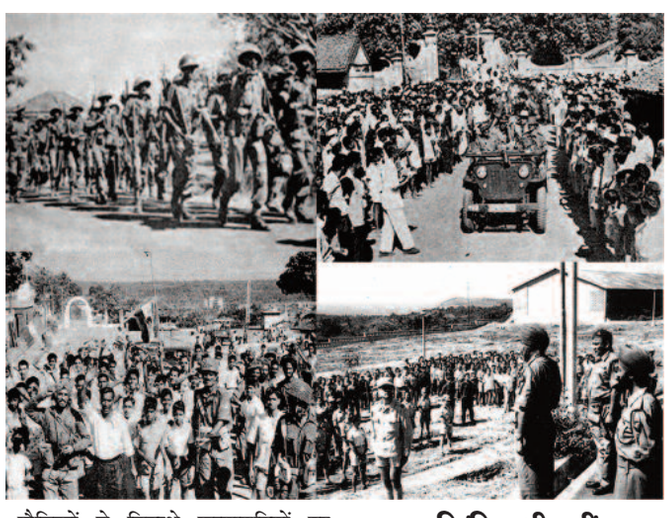

15 अगस्त को इधर तो गगन मण्डल में सूर्य का आगमन हुआ उधर सत्याग्रहियों की टोलियों ने ÷पुर्तगालियो भारत छोड़ो÷ के जयघोष के साथ गोवा की सीमा में प्रवेश किया। सीमा पर तैनात पुर्तगाली सैनिकों ने निहत्थे सत्याग्रहियों पर अपनी ब्रोनगनों, स्टेनगनों, रायफलों तथा बन्दूकों के मुंह खोल दिए। एक-के-बाद दूसरा सत्याग्रही बलिदानी होने के लिए बढ़ने लगा। मौत से जूझने की होड़ लग गई। एक दिन में 5000 सत्याग्रही गोवा की सीमा में प्रविष्ट हुए। जिनमें से 51 के लगभग घटनास्थल पर शहीद हुए तथा तीन सौ से ऊपर घायल। इस अहिंसात्मक संग्राम में पुरुषों ने जिस वीरता का परिचय दिया, उससे कहीं अधिक वीरता का प्रदर्शन महिलाओं ने किया। चालीस वर्षीया सुभद्रा बाई ने तो झांसी की रानी की ही स्मृति जाग्रत कर दी। आपने पुरुष सत्याग्रही से झण्डा छीनकर सवयं छाती पर गोली खाकर अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

किंचित भी नहीं झुकेंगे: दीनदयाल

दिल्ली में जनसंघ की ओर से राजेंद्र नगर में एक विशाल सभा में पं दीनदयाल उपाध्याय ने कहा, ÷पुर्तगाली शासन बर्बर अत्याचारों से जनता को भयभीत करके भारतीयों को गोवा में आंदोलन करने से रोकना चाहता है किंतु भारतवासी डरते नहीं है। वे पुर्तगाली अत्याचारों के सम्मुख किंचित भी नहीं झुकेंगे। जनसंघ इसके पश्चात बड़ी संख्या में सत्याग्रही भेज कर आंदोलन को प्रबल बनाएगा।

दासता से अविलम्ब मुक्ति : गुरुजी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर, गुरुजी ने एक वक्तव्य में कहा, गोवा में पुलिस कार्रवाई करने और गोवा को मुक्त कराने का इससे ज्यादा अच्छा अवसर कोई न आएगा। इससे हमारी अन्तरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आसपास के जो राष्ट्र सदा हमें धमकाते रहते हैं, उन्हें भी पाठ मिल जाएगा। भारत सरकार ने गोवा मुक्ति आन्दोलन का साथ न देने की घोषणा करके मुक्ति आन्दोलन की पीठ में छुरा मारा है। भारत सरकार को चाहिए कि भारतीय नागरिकों पर हुए इस अमानुषिक गोलीबारी का प्रत्युत्तर दे। मातृभूमि का जो भाग अभी तक विदेशियों की दासता में सड़ रहा है, उसे अविलम्ब मुक्त करने के उपाय करे।

विजय तिरंगा फहराया

19 दिसंबर, 1961 को भारतीय सेना ने गोवा, दमन और दीव में तिरंगा फहराया दिया। इसे ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया। जोकि 36 घंटों तक चला और विजय हुआ। पुर्तगाल के गवर्नर जनरल वसालो इ सिल्वा ने भारतीय सेना प्रमुख पीएन थापर के सामने सरेंडर कर दिया था। इस तरह भारतीय सेना के बलिदान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनंसघ की युक्ति और योगदान से गोवा भारतीय गणराज्य का हिस्सा बना। 30 मई, 1987 को गोवा को राज्य का दर्जा दिया गया। जबकि दमन और दीव केन्द्र शासित प्रदेश बने रहे। गोवा मुक्ति दिवस 19 दिसंबर को मनाया जाता है। गोवा मुक्ति दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस दिन ने हम सभी को आज़ादी से जीने का मौका दिया। जय गोवा! जय हिन्द!

कविता
सुनो शिक्षको

घटती-घटना
प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा उत्तरप्रदेश

सुनो शिक्षको ध्यान से सुनो
बच्चों के पास जाने से पहले
फेफड़ों से निकाल फेंकों
ठहरा धुंआ और बासी हवा
और बहा दो किसी नदी में
मन के पूर्वग्रही खपरैल की राख।
उनसे बातें करो
उनके परिवेश की, गांव की
मेले की ओर बहते
कुलांचे भरते पांव की।
उनसे प्यार करो
जैसे माटी करती है दूब से
और हरीतिमा करती धूप से
बिछाकर आत्मीयता, धैर्य
और मधुरता की श्वेत चादर
उगा लो नवल सर्जना के
नन्हे-नन्हे सूरज।
तुम भी चलो उनके साथ-साथ
गिरते-उठते, दौड़ते
हंसते, गाते, गुनगुनाते
उनके अनुभवों के गारे से
जोड़कर अपने अनुभवों की ईंट
करो नया निर्माण।
बच्चों का सीखना है तभी सार्थक
जब काम पूरा हो जाने पर
बच्चों के चेहरों पर खिल उठे
सुबह की मखमली धूप।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

क्या संगठित साजिश के तहत बीजेपी ने सरगुजा जिला प्रशासन पर दबाव बना रेडक्रॉस का चुनाव स्थगित कराया

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा के जिला पंचायत सभागार में आयोजित रेडक्रॉस सोसाइटी के चुनाव के दौरान शर्मनाक दृश्य देखने को मिला। भाजपा के बौखलाए पदाधिकारियों ने आज रेडक्रॉस के चुनाव को उस दौरान बाधित कर दिया जब नियमसम्मत हो रहे चुनाव को वे लोग रोकने पहुँचे जो स्वयं खुद रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य तक नहीं हैं। भाजपा के चंद कार्यकर्ता और पदाधिकारी खुलेआम चुनाव प्रक्रिया को बाधित किया और रिटर्निंग ऑफिसर पर जबरदस्त दबाव डालकर चुनाव को निरस्त करवाया। न सिर्फ पीठासीन अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारी से धक्का मुक्की हुई बल्कि जम कर नारेबाजी कर चुनाव को बाधित किया गया।

यह पूरा घटनाक्रम दिखाता है कि सरगुजा का जिला प्रशासन सत्तासीन बीजेपी के आगे घुटने टेक चुका है। प्रशासन पूरी तरह से बीजेपी के दबाव में दिखी। बीजेपी के पदाधिकारियों ने न सिर्फ चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की, बल्कि मौके पर मौजूद कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी और अभद्र व्यवहार भी किया।

हम आपको बता दें कि सरगुजा रेडक्रॉस सोसायटी का चुनाव नवम्बर महीने में होना था। 3 नवम्बर को अधिसूचना जारी की गई थी,तब वोटर लिस्ट का प्रकाशन और दावा-आपत्ति बजी हुआ था। इसके बाद भाजपा समर्थित लोगों ने रायपुर राज्य कार्यालय में आपत्ति दर्ज कराते हुए चुनाव की तिथि बढ़ाने और नये सदस्यों को बनाने का समय मांगा। फिर से नई अधिसूचना निकाल कर 16 दिसंबर तक नये सदस्य बनाये गये और 17 दिसंबर को पुनः दूसरी बार वोटर लिस्ट जारी कर 19 दिसंबर को वोटिंग हेतु 12 बजे जिला पंचायत में चुनाव तय किया गया। किंतु नियमसम्मत हो रहा यह चुनाव जिला प्रशासन के फेलियर के कारण स्थगित

करना पड़ा। ऐसा आरोप रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरपर्सन आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है कि 17 दिसंबर को जारी वोटर लिस्ट में कुछ 757 सदस्य थे। बताया जा रहा है कि कांग्रेस समर्थित व वर्तमान चेयरपर्सन आदित्येश्वर शरण सिंह देव के समर्थित लगभग 500 से ऊपर सदस्य लखनपुर, उडयपुर, अम्बिकापुर ग्रामीण व शहर,लुंड्रा, मैनपाट, बतौली व सीतापुर से वोटिंग हेतु पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वोटरों की इसी भीड़ को देखते हुए भाजपा बौखला गई और मात्र 20-25 की संख्या में पहुंचे भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए चुनाव को बाधित कर दिया।

आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि जिला प्रशासन की यह फेलियर लोकतंत्र और निष्पक्षता पर एक सीधा सा हमला है। पूरे जिले से पहुंचे रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों को सिर्फ इसलिए वापस होना पड़ा। क्यों कि भाजपा को लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। इस पूरे मामले में देखा जाए तो यह घटना यह साबित करती है कि बीजेपी अपनी सत्ता की भूख मिटाने के लिए हर संस्थान और प्रशासनिक तंत्र को अपने कब्जे में लेने पर आमादा है। उसे लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है।

जिला प्रशासन का पुतला फूंका

संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किये गये टिप्पणी को लेकर आहत कांग्रेस के द्वारा आज अम्बिकापुर के घड़ी चौक पर गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंका गया। साथ ही रेडक्रॉस सोसायटी सरगुजा के चुनाव में जबरन भाजपा द्वारा बाधा उत्पन्न करने एवं प्रशासन की फेलियर को लेकर जिला प्रशासन का भी पुतला कांग्रेसीयों ने फूंका। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अम्बिकापुर के घड़ी चौक पर एकत्रित हुए और जम कर जिला प्रशासन तथा गृहमंत्री के विरूद्ध नारेबाजी करते हुए दिखे। कांग्रेसियों को पुतला दहन से रोकने के लिये काफी संख्या में पुलिस बल भी तैनात थी, किन्तु पुलिस से बचते हुए कांग्रेसी नेताओं ने अलग-अलग दो पुतले फूंक दिये। पुतला दहन करने में सफल हुए। मिडिया से बात करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र पर से भरोसा उठ गया है और वे अर्नगल न सिर्फ प्रलाप कर रहे हैं बल्कि गृहमंत्री अमित शाह के रास्ते पर चल कर भाजपा जनमत का विरोध करने पर अमादा है जिसका ताजा उदाहरण आज सरगुजा जिला पंचायत के सभाकक्ष में देखने को मिला। यह जिला प्रशासन का फेलियर है।

सदस्यों को सूची में नहीं किया गया शामिल : भाजपा

भाजपा नेता अभिषेक शर्मा का कहना है कि रेड क्रॉस सोसायटी का चुनाव नियमानुसार होनी चाहिए थी। सामान्य सदस्य बनाए जाते हैं। मैंने 500 लोगों की सूची सीएमएचओ कार्यालय को दिया था। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा बनाया गया कि अभी हमारे पास रशिद नहीं है। जिला प्रशासन द्वारा 5 दिसंबर को सूचना निकाल दी गई की 13 दिसंबर को चुनाव है। जबकि नियम अनुसार 30 दिन पहले की सूचना प्रेस के माध्यम से दी जानी चाहिए। जबकि इसकी जानकारी नहीं दी गई। आपत्ति के साथ हमलोगों ने आय-व्यय का हिसाब मांगा 79 लाख रुपए का हिसाब नहीं दिया जा रहा है। 12 प्रश्नों का आपत्ति लगाया गया था। निराकरण नहीं होने पर मैंने आज आपत्ति दर्ज की और चुनाव स्थगित कराने की मांग की।

सड़क दुर्घटना में घायल हुआ था युवक, बताई थी मारपीट व बाइक लूट की घटना

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

3 दिन पूर्व लखनपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने बदमाशों द्वारा मारपीट कर बाइक लूटने का आरोप लगाया था। पुलिस मामले की जांच की तो आरोप झूठा निकला। युवक सड़क दुर्घटना में घायल हुआ था।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोसगा निवासी सिमरत राम की बाइक 15 दिसंबर की रात को सड़क किखरे खड़े ट्रक से टकरा गई थी। दुर्घटना में सिमरत गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद गांव के सरपंच ने आहत को अस्पताल पहुंचाया था और उसकी बाइक को अपने घर में सुरक्षित रख दिया था। इधर सडक़ दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक ने घटना को बदलते हुए अपने साथ मारपीट व बाइक लूटने की घटना परिचारित कर दिया। जब पुलिस मामले की जांच की तो लूट की घटना झूठा निकला। मामले में पुलिस ने आरोपी सिमरत राम के विरुद्ध थाना लखनपुर में धारा 217, 281 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

डीजल चोरी के मामले में एक खरीदार सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ट्रक से डीजल चोरी करने के मामले में मणिपुर पुलिस ने चार आरोपियों को अनुपपुर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है। ये आरोपी स्कॉर्पियो से आकर खड़े ट्रकों से डीजल चोरी करने का काम करते थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार शिवकुमार यादव जैरामपुर थाना अदलहा जिला मिर्जापुर यूपी का रहने वाला है। वह ट्रक चलाने का काम करता है। 13 दिसंबर को वह ट्रक क्रामांक सीजी 15 ईसी 5694 में पूरी टैंक डीजल भरकर रायपुर जाने निकला था। देर रात होने पर मणिपुर थाना क्षेत्र के सांड़बार बैरियर के पास ट्रक खड़ी कर सो गया। सुबह करीब 4 बजे

उठा तो देखा की वाहन का टंकी का लॉक टूटा हुआ है और टंकी से लगभग 3 सौ लीटर डीजल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। वाहन चालक ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के समीप लगे सीसीटीवी फुटेज का निरीक्षण किया। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध स्कॉर्पियो में कुछ लोग दिखे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एमपी गई थी। यहां पुलिस ने आरोपी छोटु उर्फ शिव प्रसाद लोनी पिता अयोध्या लोनी उम्र 40 वर्ष, अरूण प्रजापति पिता स्व. सुरेश प्रसाद प्रजापति उम्र 30 वर्ष दीपु प्रजापति पिता जियालाल प्रजापति उम्र 25 वर्ष व रोहणी पित अयोध्या प्रसाद उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। सभी निवासी सिलपुर थाना कोतमा जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। सभी आरोपी स्कॉर्पियो से अंबिकापुर सहित अन्य शहरों में जाकर रात में खड़े ट्रकों से डीजल चोरी करते थे सांड़बार बैरियर के पास खड़े ट्रक से 300 लीटर डीजल चोरी की थी उक्त डीजल को अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के आगे निवासी राधा प्रजापति को बेच दिया था। पुलिस ने इसके खिलाफ भी कार्रवाई की है वहीं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो व डीजल 60 लीटर, नगद 5 हजार रुपए व 4 नग मोबाइल जब्त किया है।

फर्जी बहन को रजिस्ट्रार ऑफिस में खड़ा कर संयुक्त भूमि कर दिया था दूसरे को रजिस्ट्री,दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भाई ने फर्जी तरीके से बहन के हिस्से की भूमि को किसी अन्य व्यक्ति से बेच दिया था। मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी भाई व एक अन्य महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रेमबाई पति संजय सिंह लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जजगी के रहने वाली है। इसके माता-पिता के मौत के बाद पिता के नाम की भूमि प्रेमा बाइ व भाई छतर राम पर सम्मिलित रूप से नामंतरण हुआ था। छतर राम ने छल पूर्वक अपनी बहन प्रेम बाइ के नाम की अन्य युवती को रजिस्ट्रार ऑफिस में खड़ा कर संयुक्त भूमि को 5 अप्रैल 2023 को अन्य क्रेता को फर्जी

तरीके से रजिस्ट्री कर दिया था। जब इसकी जानकारी प्रेम बाई को हुई तो वह मामल की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पुलिस ने आरोपी श्रीचंद गढ़ेवाल उम्र 28 वर्ष साकिन नमनाकला गांधीनगर व भगवती यादव उम्र 30 वर्ष साकिन कृष्णापुर गांधीनगर का होना बताये, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, गिरफ्तार आरोपी श्रीचंद गढ़ेवाल मुख्य आरोपी का रिश्तेदार हैं, मुख्य आरोपी छतर राम के कहने पर एवं विक्रय राशि मे से पैसा देने की बात कहने पर गिरफ्तार आरोपी श्रीचंद गढ़ेवाल द्वारा रजिस्ट्री दस्तावेज का साक्षी बनना बताया हैं, एवं अन्य आरोपिया भगवती यादव मुख्य आरोपी से कोर्ट आने जाने के दौरान परिचित हुई थी, जो मुख्य आरोपी छतर राम द्वारा विक्रय राशि मे से पैसे देने की बात कहे जाने पर रजिस्ट्री दस्तावेज का साक्षी होना बताई हैं, मामले मे आरोपियों द्वारा सदर धारा का अपराध घटित करना पाये जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह, उप निरीक्षक प्रेमसागर खुटिया, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र जांगड़े, महिला आरक्षक मानिता तिग्गा आरक्षक दशरथ राजवाड़े, जानकी राजवाड़े, डॉ सिंह सिदार शामिल रहे।

नाली व सीसी रोड का कराया गया निर्माण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नवागढ़ वार्ड क्रमांक 40 में घुटरापारा राम रहीम तिराहा, सिकंदर जायसवाल पार्षद गली में नाली निर्माण का काम एवं सीसी रोड किस्पोट्टा दरोगा के घर से बबला के घर तक एवं पुराने संत पाल स्कूल मझली पीढ एवं राम रहीम तिराहा के ऊपर से सीसी रोड का काम पार्षद फौजिया बाबर इदरिसी के द्वारा कराया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में बाबर इदरीसी, शांति बेग,बृजलाल सारथी, इसदौर किस्पोट्टा,सलीम खान, अख्तर इमाम,एनुअल खान,मुजीबउद्दीन, याकूब, जावेद,निगम इंजीनियर,प्रेम दुबे एवं निगम कर्मचारी सहित समस्त वार्ड वासी उपस्थित थे। नाली एवं रोड निर्माण से वार्ड वासियों में खुशी का माहौल है वार्ड वासियों ने पार्षद फोजिया बाबर इदरीसी को आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप

क्लब फुट,क्लेफ्ट लिप, आदि समस्याओं से पीड़ित बच्चों का ऑपरेशन हेतु किया गया चिन्हांकन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में गुरुवार को सरगुजा जिला में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कालड़ा हॉस्पिटल रायपुर की टीम के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्लब फुट, क्लेफ्ट लिप, क्लेफ्ट पैलेट, बर्न, सिस्ट, हेमांगीओमा आदि का स्क्रीनिंग किया गया और ऑपरेशन के लिए चिन्हांकित किया गया। इस निःशुल्क कैम्प से लगभग 80 मरीज लाभान्वित हुए। इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंड के चिरायु दल, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा के प्रभारी डॉ शीला नेताम, सीपीएम डॉ सीमा तिग्गा, जिला नोडल अधिकारी डॉ श्रीकांत सिंह सहित अन्य अभी कर्मचारी उपस्थित थे।

कुसमी भाजपा मंडल अध्यक्ष हिरामुनी निंकुज बनी

- संवाददाता -
कुसमी,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में भाजपा संगठन का चुनाव हो रहा है जिसके अंतगर्त कुसमी मंडल अध्यक्ष का भी चुनाव सम्पन हुआ भाजपा की ओर से प्रवीण अग्रवाल एवं राजेन्द्र त्रिपाठी चुनाव प्रभारी बनकर कुसमी आये थे। कुसमी घासी समाज के भवन में भाजपा संगठन के लोगो की बैठक हुई जहा पर संगठन के लोगो ने आपस में चर्चा किया,जानकारी के मुताबिक इससे पहले भी संगठन के लोगो ने भाजपा कार्यकत्ता एवं पदाधिकारियों से बातचीत कर इस संबंध राय ली थी वही गुरुवार के दिन मंडल अध्यक्ष के पद के लिये जिला पंचायत सदस्य हिरामुनी निंकुज का नाम सामने आया,गौरतलब है कि कुसमी मंडल अध्यक्ष का पद पहली बार महिला को मिला है।साथ हि मंडल अध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे संजय जायसवाल को भाजपा संगठन में जिला सदस्य बनाया गया है,मंडल अध्यक्ष बनी हिरामुनी निंकुज एवं जिला सदस्य बने संजय जायसवाल को भाजपा के कार्यकत्ता पदाधिकारी गण गुलदस्ता देकर एवं फुलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया है।

नगर निगम के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगर निगम के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस दौरान कलेक्टर कलेक्टर विलास भास्कर और नगर निगम आयुक्त डीएन कश्यप की मौजूदगी रही। नगर निगम अंबिकापुर सहित नगर पंचायत लखनपुर और नगर पंचायत सीतापुर के लिए वार्डों का आरक्षण किया गया।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अंबिकापुर नगर निगम की जनसंख्या 1 लाख 25 हजार 392 है। जिसमें 4.39 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 21.04 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लिए शामिल है। इस आधार पर दो वार्डों को अनुसूचित जाति के लिए तथा 10 वार्डों को अनुसूचित जनजाति के लिए किया गया है। जिसमें वार्ड क्रमांक 45 भीमराव अंबेडकर वार्ड व वार्ड क्रमांक 33 में अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या सबसे अधिक होने के कारण दोनों वार्डों को अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। जिसमें नियमानुसार एक तिहाई सीट को महिला आरक्षित करने का प्रवधान होने के कारण लॉटरी पद्धति से निकाला गया। जिसमें वार्ड क्रमांक 33 महिला के लिए आरक्षित हुआ। इस प्रकारण अनुसूचित जनजाति के लिए भी वार्डों में उनकी संख्या के आधार पर वार्ड क्रमांक 4, 5 8, 9, 10, 11, 14, 46, 47, व 48 को एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इसमें भी एक तिहाई अर्थात 3 वार्डों को महिला के लिए लॉटरी पद्धति अपनाकर आरक्षित किया गया जिसमें वार्ड क्रमांक 4, 10 व 47 महिला के लिए आरक्षित किया गया है। प्रक्रिया के तहत वार्ड क्रमांक 2, 12, 16, 19, 22, 24, 28, 30, 32 37, 40 व 42 ओबीसी के लिए आरक्षित हो गया। इसमें एक तिहाई महिला की सीटें लॉटरी के माध्यम से निकाला गया। जिसमें वार्ड क्रमांक 16, 22, 32 व 37 महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 13, 17, 18, 21, 25, 35, 43 व 44 महिला के लिए आरक्षित की गई है।

CMYK

भारत से लाहौर पहुंचे 70 हिंदू तीर्थयात्री, कटास राज मंदिरों में करेंगे धार्मिक अनुष्ठान

इस्लामाबाद,19 दिसम्बर 2024। पड़ोसी देश पाकिस्तान में कई हिंदू मंदिर हैं। इन्हीं में से एक है कटास राज मंदिर। इस मंदिर और कई अन्य मंदिरों के दर्शन के लिए भारत से करीब 70 हिंदू तीर्थ यात्रियों का जत्था लाहौर पहुंच गया है।

जानकारी के अनुसार,पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में स्थित कटास राज मंदिरों के दर्शन के लिए भारत के 70 हिंदू तीर्थयात्रियों का जत्था वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर पहुंचा। पाकिस्तान और भारत के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए एक द्विपक्षीय समझौता है, जिसके तहत भारत से सिख और हिंदू तीर्थयात्री प्रतिवर्ष पाकिस्तान जाते हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के तीर्थयात्री भी इसी समझौते के तहत हर साल भारत आते हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सिख समुदाय के लोग स्वर्णमंदिर के दर्शन करते हैं। पाकिस्तान के तीर्थयात्री अजमेर में ख्वाजाजी की दरगाह के दर्शन भी करते हैं।

तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत

कटास राज मंदिर,कई हिंदू मंदिरों का एक परिसर है, जो एक पवित्र तालाब कटास के आसपास स्थित है, जिसे हिंदू पवित्र मानते हैं। इसे किला कटास नाम से भी जाना जाता है। विजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में तीर्थयात्री वाघा सीमा पार करके लाहौर पहुंचे थे और उनका पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कृष्णा शर्मा और अतिरिक्त सचिव (श्राइन) सैफुल्लाह खोखर ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

लाहौर से 300 किमी दूर मंदिर

इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहयुद्दीन ने कहा, %कटास राज मंदिरों में होने वाले उत्सव में शामिल होने के लिए करीब 71 हिंदू गुरुवार को यहां पहुंचे। तीर्थयात्री शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष बसों से लाहौर से करीब 300 किलोमीटर दूर चकवाल स्थित कटास राज मंदिर जाएंगे।

इस दिन समाप्त होगी यात्रा

21 दिसंबर को ये तीर्थयात्री कटास राज मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान करेंगे, जिसमें भानु सप्तमी और दीप माला की शाम की रस्में शामिल हैं। सात दिन की यात्रा 25 दिसंबर को समाप्त होगी और तीर्थयात्री उसी दिन भारत वापस लौट आएंगे। तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान में उनके स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी यात्रा शांति और प्रेम का संदेश देती है।

कृष्णा शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू पूजा स्थल सुरक्षित हैं और उनका रखरखाव किया जा रहा है। वहीं, खोखर ने कहा कि ईटीपीबी के अध्यक्ष सैयद अताउर रहमान के निर्देशों के तहत, हिंदू तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षा, आवास और परिवहन सहित व्यापक व्यवस्था की गई है।

यह तैयारियां की गई...

हाल ही में, कटास राज मंदिरों के पास एक 36 कमरे का आवासीय परिसर भी बनाया गया है, ताकि भारत और दुनिया भर से आने वाले हिंदू तीर्थयात्रियों को यहां ठहरने की पूरी सुविधाएं मिल सकें। इस निर्माण के लिए 190 मिलियन पाकिस्तानी रुपये खर्च किए गए हैं। इसके अलावा, मंदिर परिसर में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए 6,000 पौधे लगाए गए हैं और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।

सीरिया से भागकर आए असद से पुतिन करेंगे मुलाकात,12 साल पहले लापता US पत्रकार के बारे में लेंगे जानकारी

मॉस्को,19 दिसम्बर 2024। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह सीरिया के निष्कासित राष्ट्रपति बशर अल-असद से 12 साल पहले सीरिया में गायब हुए अमेरिकी पत्रकार ऑस्टिन टाइस के बारे में पूछेंगे।

बता दें,बाइडन सरकार ने टाइस को ढूंढने को अपनी प्राथमिकता बना लिया है।

असद से करेंगे पुतिन मुलाकात

इस क्रम में पुतिन ने कहा कि उन्होंने अभी तक असद से मुलाकात नहीं की है। मगर वह उनसे मिलने की योजना बना रहे हैं और टाइस के बारे में सवाल करेंगे। उन्होंने यह भी कहा, हम उस स्थिति को नियंत्रित करने वाले लोगों से भी यह सवाल कर सकते हैं।

सीरिया के हालात बदतर

गौरतलब है, सीरिया में हालात बद से बदतर हो गए हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों और राजधानी समेत बड़े शहरों पर अब जेहादी बागियों का कब्जा हो चुका है। राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर रूस की शरण में भाग चुके हैं। सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा था कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। वहीं, विद्रोहियों द्वारा असद को देश छोड़ने पर मजबूर करने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिका ने सीरिया के अंदर आईएसआईएस के दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाया था।

मॉस्को की अर्थव्यवस्था इस साल चार फीसदी बढ़ने की उम्मीद

इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश की अर्थव्यवस्था और यूक्रेन युद्ध में सैनिकों की प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मॉस्को की अर्थव्यवस्था इस साल चार फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। मगर, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि महंगाई 9.3 फीसदी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रूस की सेना यूक्रेन में अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है और उन्होंने किसी भी हाल में यूक्रेनी सैनिकों को रूस से बाहर निकालने का वादा किया।

सीरिया पर तुर्किये ने कब्जा नहीं किया...

अंकारा ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों को किया खारिज

अंकारा,19 दिसम्बर 2024। तुर्किये ने बुधवार को अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाने में तुर्किये का हाथ था। ट्रंप ने कहा था कि तुर्किये ने अपने पड़ोसी देश पर अमित्रतापूर्ण कब्जा किया।

अल जजीरा से बातचीत में तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा, %हम इसे कब्जा नहीं कहेंगे। सीरिया में जो हो रहा है, उसे इस रूप में पेश करना एक बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा, सीरिया के लोगों के लिए यह कब्जा नहीं है। अगर कोई कब्जा है, तो यह सीरिया के लोगों की इच्छा है, जो अब सामने आ रही है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि सीरिया में जो लोग विद्रोह कर रहे हैं, उन्हें तुर्किये नियंत्रित कर रहा है और इसमें कोई समस्या नहीं है। अरबपति कारोबारी ट्रंप ने पत्रकारों से कहा,तुर्किये ने बिना ज्यादा जान गंवाए एक दुश्मन पर अमित्रतापूर्ण कब्जा कर लिया।

2011 में असद के खिलाफ विद्रोह

के शुरुआती दिनों से ही तुर्किये को असद विरोधी ताकतों का एक प्रमुख समर्थक माना जाता है। तुर्किये ने असद शासन के राजनीतिक विरोधियों को शरण दी थी, लाखों शरणार्थियों को अपने यहां जगह दी थी और साथ ही असद के खिलाफ लड़ने वाले विद्रोही समूहों को भी समर्थन दिया था। फिदान ने कहा कि तुर्किये को सीरिया पर कब्जा करने वाली शक्ति कहना गलत होगा। उन्होंने कहा, हम ऐसा कभी नहीं चाहेंगे, क्योंकि हमारे क्षेत्र में जो हो रहा है, उससे हम बहुत कुछ सीख चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम अपनी संस्कृति में एक तरह का प्रभुत्व बनाएंगे, तो वह हमारे क्षेत्र को ही नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, यहां तुर्किये, ईरान या अरबों का प्रभुत्व नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी देशों का सहयोग होना चाहिए। सीरिया के लोगों के साथ हमारी एकजुटता को इस तरह से नहीं दिखाना चाहिए, जैसे हम सीरिया पर शासन कर रहे हैं। मुझे लगता है, यह गलत है। तुर्किये के विदेश मंत्री ने हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) समूह के बारे में भी बात की, जो कभी अल-कायदा से जुड़ा था। हालांकि, इस समूह ने अपनी व्यवहार में नरमी दिखाई है, लेकिन पश्चमी देश इसे एक आतंकवादी संगठन मानते हैं। फिदान ने कहा, अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिका इसे आतंकवादियो की सूची से हटा दे।

उन्होंने कहा, एचटीएस ने अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जैसे कट्टरपंथी समूहों से खुद को अलग कर दिया है। तुर्किये एचटीएस को एक आतंकवादी संगठन मानता है। फिर भी वह इसके साथ काम करता है।

महिलाओं के विरोध के बीच ईरानी नेता खामेनेई के बदले सुर,कहा...महिला एक नाजुक फूल,घरेलू नौकरानी नहीं

तेहरान,19 दिसम्बर 2024। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि महिला एक नाजुक फूल है, वह कोई घरेलू नौकरानी नहीं है। महिला को घर में एक फूल की तरह माना जाना चाहिए। फूल की देखभाल की जानी चाहिए। खोमेनेई का यह बयान उस वक्त आया है जब ईरान में महिलाएं अपने अधिकारों को लेकर सड़कों पर उतरकर आवाज बुलंद कर रही हैं। सख्त हिजाब कानून को लेकर महिलाएं ईरानी शासन के खिलाफ विरोध में हैं।

खामेनेई ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि महिला एक नाजुक फूल है, कोई नौकरानी नहीं। महिला को घर में फूल की तरह माना जाना चाहिए। फूल की देखभाल की जानी चाहिए। इसकी ताजगी और मीठी खुशबू का लाभ उठाया जाना चाहिए और हवा को सुगंधित करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

खामेनेई ने लिखा कि महिला और पुरुष एक-दूसरे के लिए बनाए गए हैं। कुरान में लिखा गया है कि अल्लाह ने तुम्हारे लिए तुम्हीं में से जोड़े बनाए हैं। पुरुष और महिलाएं अच्छे और शुद्ध जीवन की तलाश में समान हैं, जो कि मानव जाति के निर्माण का उद्देश्य है और कोई भी दूसरे से श्रेष्ठ नहीं है। कुरान में कहा गया है कि जो कोई भी नेक काम करता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला और वह आस्तिक है, हम उसे एक अच्छा और शुद्ध जीवन देंगे।

पुरुष और महिलाओं की लैंगिक भूमिका को लेकर खामेनेई ने कहा कि परिवार में महिलाओं और पुरुषों की भूमिकाएं अलग-अलग होती हैं। पुरुष परिवार के खर्चों के लिए जिम्मेदार होता है, जबकि महिला बच्चे पैदा करने के लिए जिम्मेदार होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे श्रेष्ठ हैं। वे अलग-अलग गुण हैं। पुरुषों और महिलाओं के अधिकारों की गणना इनके आधार पर नहीं की जाती है। हालांकि बौद्धिक और आध्यात्मिक क्षमताओं के मामले में दोनों में असीम संभावनाएं होती हैं और इस मामले में वे एक दूसरे से अलग नहीं हैं।

पश्चिमी देशों पर साधा निशाना

खामेनेई ने कहा कि दुनिया के पूंजीपति महिलाओं के मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हैं। उनका लक्ष्य मानवतावाद की भावना को बढ़ावा देना या नागरिक कर्तव्य को पूरा करना नहीं है। बल्कि हस्तक्षेप करना और अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और आजादी मिलनी चाहिए। यह विचार सतह पर तो अच्छा लगता था, लेकिन इसकी वास्तविकता अलग थी। पूंजीपतियों को कारखानों को श्रमिकों की जरूरत थी। वे महिलाओं को मजदूर के तौर पर काम पर रखना चाहते थे और उन्हें पुरुषों से कम वेतन देना चाहते थे।

खामेनेई ने कहा कि आज पश्चिम में जो अनैतिकता है, वह हाल ही में पनपी है। 18वीं और 19वीं सदी की किताबों में यूरोपीय महिलाओं के बारे में वर्णन है कि उस समय कई सामाजिक मानदंड थे। जैसे शालीन कपड़े पहनना। यह आज पश्चिम में मौजूद नहीं हैं। आज कुछ लोग मातृत्व को नकारात्मक रूप में पेश करते हैं। अगर कोई कहता है कि परिवारों के लिए बच्चे पैदा करना जरूरी है, तो उनका मज़ाक उड़ाया जाता है और कहा जाता है कि आप सिर्फ़ बच्चे पैदा करने के लिए महिलाओं को चाहते हैं। जबकि मातृत्व एक सम्मान है।

इसलिए हो रहा विरोध

ईरान में महिलाएं शासन के खिलाफ विरोध में हैं। खामेनेई शासन ने यहां पर शरिया कानून को सख्त बना दिया है। इसके मुताबिक अनिवार्य हिजाब कानून बन गया और महिलाओं का सार्वजनिक स्थानों पर खुद को ढकना जरूरी हो गया। इसे लेकर खामेनेई का कहना है कि उनके शासन के खिलाफ महिलाओं के विरोध प्रदर्शन के लिए दुश्मन जिम्मेदार हैं।

श्रीलंका ने चार साल में पहली बार वाहनों के आयात पर हटाया प्रतिबंध

नई दिल्ली,19 दिसम्बर 2024। श्रीलंका ने एलान किया है कि वे वाहनों के आयात पर प्रतिबंध हटा देंगे। इसे कोविड-19 महामारी के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए 2020 में लागू किया गया था। बुधवार को जारी राजपत्र के अनुसार 2020 की शुरुआत के बाद पहली बार सार्वजनिक परिवहन वाहनों के आयात की अनुमति दी गई है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि वाहन आयात पर प्रतिबंध लगाने की नीति कोविड-19 महामारी और 2022 की आर्थिक मंदी के कारण विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के इरादे से लागू की गई थी।

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बुधवार को संसद को संबोधित करते हुए कहा कि निजी इस्तेमाल के लिए कारों के आयात की अनुमति फरवरी 2025 से दी जाएगी।

हालांकि, यह फैसला नियमों के अधीन है ताकि द्वीप राष्ट्र के विदेशी भंडार बनाने की कोशिश की रक्षा की जा सके।

सभी आयातकों को अपना आयात तीन महीने के भीतर बेचना होगा। नहीं तो उन पर तीन प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।

बयान में कहा गया है, ÷ये शर्तें देश के विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा के इरादे से लगाई गई हैं। ताकि अत्यधिक संख्या में वाहनों के आयात को हतोत्साहित किया जा सके। और आयातकों द्वारा भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करते हुए मोटर वाहनों का अनावश्यक स्टॉक रखने से रोका जा सके।÷

वाहन आयातकों के संघ ने इस कदम की सराहना की। उन्होंने आयात प्रतिबंध हटाने के लिए सरकार से व्यापक रूप से पैरवी की थी।

आईएमएफ बेलआउट की शर्तें तय करती हैं कि श्रीलंका को 2022 जैसे संकट को रोकने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का निर्माण करना चाहिए। जब विदेशी भंडार की कमी के कारण ईंधन और जरूरी सामानों की कमी हो गई थी।

श्रीलंका की आर्थिक मंदी से उबरने की मान्यता में आईएमएफ ने आयात शुल्क के जरिए राज्य के राजस्व को बढ़ाने के उपाय के रूप में वाहन आयात की अनुमति दी थी।

अप्रैल 2022 में विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के कारण श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकट पैदा हो गया। जिसके कारण द्वीप राष्ट्र को खुद को पहली बार संप्रभु डिफॉल्ट घोषित करना पड़ा।

10 साल तक पत्नी का 50 से ज्यादा लोगों से करवाया दुष्कर्म, अब कोर्ट ने पति को माना दोषी,मिली इतने दिनों की सजा

पेरिस,19 दिसम्बर 2024। फ्रांस में गिसेले पेलिकॉट के साथ हुए सामूहिक बलात्कार मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद सजा का एलान कर दिया गया है। इस जघन्य अपराध का दोषी पीड़िता गिसेले पेलिकॉट के पूर्व पति डोमिनिक पेलिकॉट को ठहराया गया है। फ्रांस की एक अदालत के न्यायाधीशों के एक पैनल ने डोमिनिक पेलिकॉट को अपनी तत्कालीन पत्नी गिसेले के बलात्कार के लिए 20 साल की जेल की सजा सुनाई।

दरअसल, डोमिनिक पेलिकॉट पर करीब 10 सालों तक लगातार अपनी पत्नी को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ बलात्कार करने और दर्जनों अजनबियों को अपने घर में उसके बेहोश शरीर के साथ

बलात्कार कराने का आरोप लगा था। इस मामले ने फ्रांस के साथ दुनिया के कई हिस्सों में सनसनी फैला दी थी। इस मामले में अब फैसला आया है।

सजा का एलान

फ्रांस की एक अदालत के न्यायधीशों के पैनल ने इस मामले में सजा का एलान करते हुए दोषी को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। वहीं, अदालत ने फ्रांसीसी सामूहिक बलात्कार मामले में अन्य सभी 50 प्रतिवादियों को भी दोषी ठहराया, लेकिन किसी को भी बरी नहीं किया।

अन्य दोषियों के लिए भी सजा का एलान

इस मामले में अभियोजकों ने अन्य प्रतिवादियों के लिए चार से 18 साल के बीच जेल की सजा मांगी थी, जिनमें से लगभग सभी पर कोमा में पड़ी गिसेले पेलिकॉट के साथ बलात्कार करने का आरोप है। बता दें कि 72 वर्षीय डोमिनिक पेलिकॉट ने तीन महीने की सुनवाई के दौरान आरोपों में दोषी होने की दलील दी थी और अपने परिवार से माफ़ी मांगी थी।

नेशनल हाईवे 130 में यात्री बस ने बाइक सवार को कुचला मौके पर मौत

- नहीं थम रहा दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार हो रहे सड़क हादसे
- चार अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक की मौत छः घायल जिला अस्पताल रेफर

- संवाददाता -

लखनपुर,19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 में चार अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत और 6 घायल हो गए सभी घायलों का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में जारी है। एनएच 130 नवापारा संगवारी अस्पताल के समीप गुरुवार की दोपहर राजधानी यात्री बस के ड्राईवर ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को जोरदार ठोकर मार दी जिससे बाइक सवारी युवक की मौके पर ही मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव को लखनपुर अस्पताल के मरचुरी भिजवाया गया है मृतक युवक की पहचान लाल साय निवासी झेरा बहरा केदमा थाना उदयपुर निवासी के रूप में हुई। घटना के बाद बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। बस में सवार यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।लखनपुर पुलिस मृतक के परिजनों को जानकारी देते हुए मामले की जांच में जुटी है।

वही दूसरा मामला दोपहर लगभग 3 बजे नवापारा में दो बाइक सवारों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी जिसमें बाइक सवार दो युवक घायल हो गए थे। जिन्हें संगवारी अस्पताल में

प्राथमिक उपचार के बाद सर में चोट होने पर दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

तीसरा मामला नेशनल हाईवे 130 केवरा गांधी चौक के पास का है जहां दो बाइक सवारों में आमने सामने भिड़ंत हो गई थी। जिसमें बाइक सवार घायल युवक धर्म मझवार 20 वर्ष ग्राम केशमा थाना उदयपुर निवासी ,गोविंद दास उम्र 45 वर्ष ग्राम इरगवा थाना दारिमा निवासी को उपचार हेतु पुलिस पेट्रोलिंग वाहन के माध्यम से लखनपुर अस्पताल लाया गया था जहां अंदरूनी चोट लगने पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

चौथा मामला नेशनल हाईवे 130 रजपुरी कला कस्तूरबा आश्रम के पास बीती रात 1ः30 बजे मिनी ट्रक और क्रेटा कार के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई थी। कार में सवार दो लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को वाहन से बाहर निकाल एंबुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल उपचार हेतु भेजा जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक प्रवीण कुमार झा उम्र 40 वर्ष अपने साथी जवाहरलाल उम्र 58 वर्ष भिलाई निवासी के साथ हुंडई क्रेटा कार क्रमांक 07 CN 8611 में सवार होकर वाड्राफनगर से भिलाई जा रहे थे। जैसे ही रजपुरी कला कस्तूरबा आश्रम के पास पहुंचे विपरीत दिशा बिलासपुर से अंबिकापुर आ रहे टमाटर लोड मिनी ट्रक क्रमांक jh 03 AM 4698 में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। कार के स्टेरिंग में दबाने से कार सवार कार में ही फंस गए। हादसे में कार चालक प्रवीण कुमार झा का पैर टूट गया और जवाहर लाल को अंदरूनी चोटे आई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर लखनपुर थाना के उप निरीक्षक प्रेम सागर दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस ने तत्परता से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाल कर एंबुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया गया जहां उनका उपचार जारी है। गुरुवार की सुबह लगभग 10 बजे क्रेन के माध्यम से क्षतिग्रस्त क्रेटा कार को लखनपुर थाने भिजवाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं घटना का कारण तेज गति और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना बताया जा रहा है।

CMYK

ये कैसी वाहन चलाने की ट्रेनिंग? ट्रेनिंग के दौरान है एक बेजुबान जानवर की हुई मौत?

वाहन चलाने का प्रशिक्षण मैदान में कराया जाता है या फिर शहर के अंदर भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में?

ड्राइविंग लाइसेंस देने के लिए प्रशिक्षण देने वाली वाहन से कुचले कुत्ते के बच्चे की मौत

-ओमकार पांडेय-
सूरजपुर,19 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।
परिवहन विभाग ड्राइविंग लाइसेंस देने के लिए ड्राइविंग स्कूल का प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र मांगता है, जिसके लिए सूरजपुर जिले में भी वाहन प्रशिक्षण के लिए एक एजेंसी को अधिग्रहित किया गया है, जो वाहन चलाने का प्रशिक्षण देती है पर वाहन चलाने का प्रशिक्षण मैदान में दिया जाता है ना की शहर के भीड़ भाड वह ट्रैफिक वाले जगह पर? यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो रहा है क्योंकि ड्राइविंग स्कूल कि वाहन से एक कुत्ते की मौत हो गई, वह भी पुराने बस स्टैंड में इसके बाद यह सवाल उठने लगा कि क्या वहां का प्रशिक्षण भी भारत वाले इलाके में देना नियम में है या फिर नियम विरुद्ध यदि ऐसा हो रहा है तो ऐसे प्रशिक्षण देने वाले की मान्यता रद्द क्यों नहीं की जा रही? मिलिजनाकारी के अनुसार सूरजपुर जिले के पुराने बस स्टंड पर एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक गाड़ी चलाना सिखाने वाले ट्रेनिंग स्कूल की गाड़ी ने सड़क पर एक बेजुबान जानवर को कुचल दिया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने इस लापरवाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार, पुराने बस स्टेंड के पास गाड़ी क्रमांक सीजी 20 जे 45 03 वाहन चालक गाड़ी कूद चाल रहा था इसी दौरान, सड़क पर बैठा एक बेजुबान जानवर उनकी गाड़ी के नीचे आ गया और कुचला गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि प्रशिक्षक ने न तो वाहन की गति धीमी की और न ही किसी प्रकार की सतर्कता बरती।

वाहन चालक नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस तरह के ट्रेनिंग स्कूलों प्रशिक्षक यातायात नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। आमतौर पर गाड़ी चलाना सिखाने के लिए निर्धारित सुरक्षा नियम होते हैं, जिसमें सड़क पर सतर्कता और जानवरों या पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखना शामिल है। जब गाड़ी चलाना सिखाने वाले ही लापरवाही की मिसाल बन जाएं, तो सोचिए उनके सिखाए हुए चालक सड़कों पर क्या कहर बरपाएंगे। जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाने वाले खुद नियम तोडें, तो सड़कें सिर्फ रास्ता नहीं, खतरे का जाल बन जाती हैं। ये लापरवाही नहीं, बल्कि आने वाले हादसों की आहट है।

क्या ऐसे ड्राइविंग सिखाने वाले गाड़ी चालकों ऊपर प्रशासन कार्यवाही कर पाएगी या फिर एक बड़ी अनहोनी हो का इंतजार कर रही है प्रशासन?

प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। आखिर ये कब तक चलता रहेगा? क्या जानवरों की जान की कोई कीमत नहीं? अगर प्रशासन की यह चुप्पी नहीं टूटी, तो आज जानवर और कल इंसान भी इसी लापरवाही का शिकार होगा। क्या तभी प्रशासन जागेगा? या फिर हमेशा की तरह मामले को नजरअंदाज कर दिया जाएगा?

विन्ध में पहला सर्व सेवा संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन,देश भर के गांधीजन लेंगे हिस्सा

समाज के निर्माण व विकास की दिशा में सर्व सेवा संघ ने किए हैं कई महान कार्य

-बागी कलम-
अनूपपुर,19 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।
सर्वोदय विचार की सर्वोच्च संस्था सर्व सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यसमिति और अधिवेशन सर लगन पैलेस, अनूपपुर में 21, 22 और 23 दिसंबर को संपन्न होगा। जिसमें देश भर से 400 गांधीजन शामिल होंगे व महात्मा गांधी के पोते तुषार गांधी उद्घाटन करेंगे। तादाशय की जानकारी सर्व सेवा संघ के युवा सेल के राष्ट्रीय संयोजक भूपेश भूषण, मध्यप्रदेश गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष संतोष कुमार द्विवेदी, राष्ट्रीय युवा संगठन के प्रांतीय संयोजक शिवकांत त्रिपाठी, लोक समिति के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह और सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चिन्मय मिश्र, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश मानव ने दी। आपने बताया कि विंध्य में सर्व सेवा संघ का यह पहला राष्ट्रीय आयोजन है जिसमें देश भर के लगभग सभी ख्यात गांधीजन हिस्सा लेंगे। जिसमें सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन पाल सहित सभी पदाधिकारी, गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत, गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष रामचंद्र राही, गांधी नेशनल म्यूजियम के डायरेक्टर डॉ ए. अन्नामलाई, गांधी भवन न्यास के अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव दयाराम नामदेव, लोकसमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरजासतीश, सर्व सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुगन बरंठ सम्यक अभियानक प्रवर्तक वरिष्ठ लेखक विचारक भास्कर राव रोकड़े, पूर्व संसद और गांधी विचार की वाहक मीनाक्षी नटराजन, पूर्व आईएएस और लेखक राजीव शर्मा, पूर्व हाई कोर्ट जस्टिस मनोरंजन मोहंती, आंदोलन समिति के राष्ट्रीय संयोजक डॉ विश्वजीत रॉय, मध्यप्रदेश गांधी स्मारक निधि की सचिव दमयंती पाणी, राष्ट्रीय युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक प्रशांत नागोसे, मनोज ठाकरे आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। ज्ञात हो कि अहिंसक समाज के निर्माण व विकास की दिशा में सर्व सेवा संघ ने तब से अब तक कई महान कार्य किए हैं। आचार्य विनोबा भावे के प्रेरक नेतृत्व में भूदान, ग्रामदान और ग्रामस्वराज्य का अभूतपूर्व ऐतिहासिक कार्य हुआ, जिसके तहत 48 लाख एकड़ जमीन दान में प्राप्त कर भूमिहीन दलितों और आदिवासियों को वितरित की गई। सर्वोदय आंदोलन के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में अशांत कश्मीर, मिजोरम और नागालैंड में शांति स्थापना के प्रयासों के साथ ही लोकतांत्रिक तरीके से इन चुनौतियों के समाधान का रास्ता ढूंढने की जमीनी कोशिश की गई। बांग्लादेश संकट के समाधान और भारत में लोकतंत्र पर उत्पन्न खतरे के विरुद्ध भी सर्व सेवा संघ ने जे.पी. के नेतृत्व में असाधारण कार्य किया। महंगाई, बेरोजगारी, कुशिक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दों से जोड़ते हुए छात्रों के असंतोष को संपूर्ण परिवर्तन के आंदोलन तक पहुंचाया और यह सिलसिला रुका नहीं है निरंतर जारी है साथ हीसर्व सेवा संघ अहिंसक और लोकतांत्रिक समाज निर्माण हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। सर्व सेवा संघ सरकारी और विदेशी वित्त पोषित संस्था नहीं है यह पूरा आयोजन जनता के सहयोग और समर्थन से हो रहा है, इसलिए सर्व सेवा संघ युवा सेल के राष्ट्रीय संयोजक भूपेश भूषण ने सभी गांधी प्रेमी जनों से अपील की है कि इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य समय व सहयोग प्रदान करें।

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक : 08/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 16/12/2024 निम्नलिखित कार्यो के लिये दिनांक 06/01/2025(17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	162913	लावा जलाशय योजना के बांध पर आर.डी. 0 मी. से 680 मी. एवं स्पिल चैनल पर मिट्टी का कार्य एवं 02 नग हेड स्लूस बांयी तठ नहर एवं दांयी तट नहर 01 नग (1मीटर फॉल कम वेस्ट वियर 03 नग शूट फॉल कम वेस्ट वियर 03 नग शूट फॉल (5.40) का निर्माण तथा बांयी तट नहर के आर.डी. 0 से 2820 मी. तक मिट्टी का कार्य साथ में 35 नग पक्की संरचनाओं का निर्माण एवं 25 नग डायरेक्ट आउट लेट का फिक्सिंग कार्य।	रू0 3039.67 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 23.12.2024 समय 17.30 बजे से देखें तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं। नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर,
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

जी नंबर-242504647/2

आदर्श नगर में 08 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची महुआ मदिरा किया गया जब्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।
आबकारी वृत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम आदर्श नगर विश्रामपुर थाना विश्रामपुर निवासी देवेंद्र सोनवानी पिता स्व चतुरगुण उम्र 19 वर्ष के कब्जे से 08 लीटर हाथभट्टी निर्मित कच्ची महुआ मदिरा बरामद कर जब्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क, 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिला किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में वृत सूरजपुर प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक प्रदीप वर्मा, आबकारी मुख्य आरक्षक कृष्णा कुशवाहा, पारस नाथ राजवाड़े, आबकारी आरक्षक कमलेश्वर राजवाड़े, महिला सैनिक बिंदु राजवाड़े, देवेंद्र कुमारी, वाहन चालक प्रमोद साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)
E-mail : eebalram-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्रं./27/ले.शा.ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024
बलरामपुर,दिनांक - 16.12.2024

ऑन लाईन द्वितीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत वीडियोग्राफी कार्य के लिए में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
162939	03.15

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड,वैद्यता की तिथि कार्य की अवधि. निविदाकार की श्रेणी. एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 17/12/2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 02/01/2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

जी नंबर-242504655/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)
E-mail : eebalram-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्रं./28/ले.शा.ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024
बलरामपुर,दिनांक - 17.12.2024

ऑन लाईन द्वितीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नलकूप खनन कार्य के लिए में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
162996	63.10
162997	63.10
162998	05.95

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विववरण यथा धरोहर राशि, बिड,वैद्यता की तिथि कार्य की अवधि. निविदाकार की श्रेणी. एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 23/12/2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 13/01/2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

जी नंबर-242504660/3

मुकेश तायल बने प्रतापपुर मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष

-संवाददाता-
प्रतापपुर,19 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।
प्रतापपुर स्थानीय रेस्ट हाउस में भाजपा मंडल अध्यक्ष के लिए अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराया गया जिसमें संगठन ने मुकेश तायल को प्रतापपुर भाजपा मंडल का अध्यक्ष बनाया। चुनाव अधिकारी के रूप में सूरजपुर जिले के महामंत्री राजेश महलवाला एवं सूरजपुर जिले के कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी की उपस्थिति में एवं सभी स्थानीय वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ता जनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ मंडल अध्यक्ष के दायित्व मिलने पर मुकेश तायल ने कहा पार्टी ने मुझपर जो विस्वाश किया है मैं उसके लिए हर जगह खरा उतरने की कोशिश रहेगी पार्टी एवम कार्यकर्ता मेरे लिए स्वरार्पिर है पूर्व मंडल के कार्यकाल ने बहोत ही अच्छा काम किया है मैं उनके द्वारा किया हुआ कार्य को पार्टी के अनुसार आगे ले जाने का काम करूंगा जिसमें प्रमुख रूप से लाल संतोष सिंह,अजीत शरण सिंह प्रेमपाल अग्रवाल, अंबिका जाय सवाल, निलेश कुमार जायसवाल , कमल देव पांडे, चंद्रिका यादव, सुदामा राम यादव, कृष्ण प्रसाद सिंह, विजेंद्र कश्यप, विनोद श्रीवास,मनोज रकाम, संजय मरावी ,अशोक जायसवाल,आयुष्मान पटेल, पप्पू यादव,चंद्रदेव सिंह, राजनाथ सिंह, वासुदेव माझी,गुलाब तिवारी, हरिशंकर गुप्ता,अवधेश पांडे, अक्षय तिवारी, प्रवीण दुबे, नंदा यादव,कमल राजवाड़े, शिवचरण नापित,चंद्रिकायादव,राजेश कश्यप।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0-202204020700201/.अ-6-अ/2021-22

// प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प0क0 202204020700201/अ-6-अ/2021-22 रामभगत वगैरह प्रति मोहरलाल वगैरह में ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 20/1,271/2, 278/1,661/2, 776/3 रकबा क्रमशः 0.117, 0.449, 0.370, 0.125, 0.093 हे. भूमि का नक्शा बटांकन कर राजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा बटांकन में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/01/2025 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 13/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कंचन जायसवाल आ0 विजय जायसवाल जाति जायसवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 2202/38, 2223/13 रकबा 0.002, 0.018 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विराधीन है।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 02/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निलेश कुमार मिश्रा आ0 राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा जाति ब्राहण निवासी, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 15/43 रकबा 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 01/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 16/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगेश्वर पिता जानी तिर्की जाति उरांव निवासी भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 93/9 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 04/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक असुन्ता लकड़ा पत्नी फुलजेन्स लकड़ा जाति उरांव निवासी मांडो तहसील मनोरा जिला जशपुर, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 815/4 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 04/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0)वाड्रफनगर,जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रनगर तहसील वाड्रफ नगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0 को ईश्तहार के जरिये सूचित किया जा है कि आवेदक राय सिंह टेकाम आ0 देवसाय जाति गोड़ उम्र 38 वर्ष निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर जिला बलरामपुर- रामानुजगंज, छ0ग0 द्वारा ग्राम वाड्रफ नगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य एवं स्वामित्व की भूमि ख0 नं0 978/3 रकबा 0.02 हे0 को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति होतो दिनांक 14/01/2025 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) वाड्रफनगर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. 202406020700070
ब-121/2023-24

प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202406020700070/ब-121/2023-24 फुलेश्वरी यादव प्रति छ0ग0 शासन में ग्राम पोड़ीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 325/5, 325/25 का नक्शाा सुधार कर राजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा सुधार में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईआपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/12/2024 को इस न्यायालयमें स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा
आज दिनांक 18/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0.......... अ- 6 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकण आशा देवी सिंह पति स्व0 रामाश्रय सिंह, सीमा सिंह पिता स्व0 रामाश्रय सिंह निवासी महामाया रोड, अम्बिकापुर वगैरह के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि स्व0 रामाश्रय सिंह तथा स्व0 राम सहाय सिंह के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं0 03, मोहल्ला- न्यू महामाया रोड, खसरा नं0 1404/8 रकबा 0.022 हे0 (5.5 डिसमिल) भूमि हैं। भूधारक राम आश्रय सिंह की मृत्यु दिनांक 24/04/2021 को तथा राम सहाय सिंह की मृत्यु दिनांक 26/02/2014 को हो गई है। भूधारकों की मृत्यु हो जाने के कारण फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में मृत्तक भूधारक के वारिसानों का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदकगण द्वारा भूधारक की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज संहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत द्वारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

CMYK

थानेदार ने ड्राइवर के फोन पे में लिया पैसा शिकायत हुई डीजीपी को

थाने की दुकानदारी अब होगी बंद...उच्च स्तरीय हुई शिकायत

नियम विरुद्ध तरीके से थाना प्रभारी ने अपनी कार्यवाही गिनवाने के लिए साइबर का किया उपयोग ?

लोकेशन ट्रेस कर घर से उठाया प्रार्थी को और बनाया आरोपी और की कार्यवाही

कार्यवाही से बचाने अपने ड्राइवर के फोन पर थानेदार ने लिया पैसा फिर भी चारों पर हुई जुआ एक्ट की कार्यवाही

पटना थाना इस समय कार्य प्रणालियों को लेकर सुर्खियों में है पहले लापरवाही से एक नाबालिक ने आत्महत्या कर ली और अब कार्यवाही गिनवाने के लिए घर से बुलाकर जुआ एक्ट की कार्यवाही

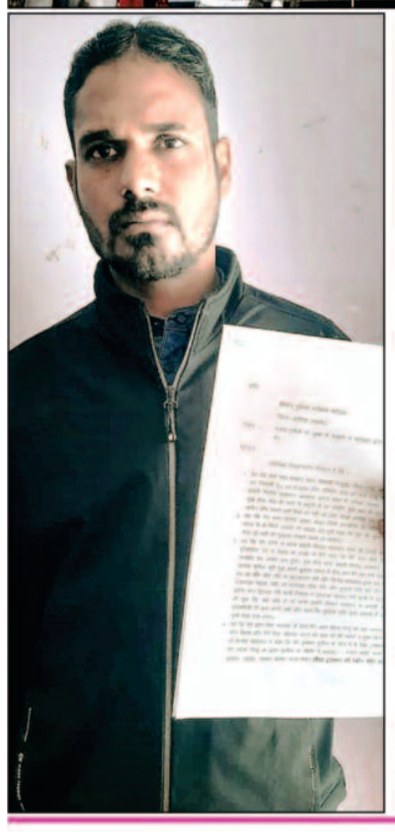

-रवि सिंह-
कोरिया, 19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले का पटना थाना यूं ही सुर्खियों में नहीं है यहां के कर्मचारियों के कारनामे ही ऐसे हैं कि यह सुर्खियां बटोर रहे हैं,यहां पर कार्यवाही के नाम पर दुकानदारी ही चल रही है,ऐसा कहना गलत नहीं होगा, अब इस मामले में शिकायतकर्ता ने डीजीपी तक शिकायत की है और थानेदार के द्वारा ड्राइवर के फोन पे में पैसे लेने का आरोप लगाया है, वही शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि घर में घुसकर तांडव मचाया और अपने साइबर का दुरुपयोग करते हुए लोकेशन देख-देख कर अलग-अलग जगह से पकड जबरदस्ती पटना के इमली चौक पर जुए की कार्यवाही की गई, वहीं सभी को बचाने के लिए सभी से पैसे भी लिए गए किसी से नगद लिए गए तो किसी से फोन पे में लिए गए, फोन पे का रिकॉर्ड ही अब थानेदार के लिए मुश्किल वाली बात हो सकती है,अब शिकायत उच्च स्तरीय हुई है अब जांच भी उच्च स्तरीय होगी, इसीलिए अब उम्मीद लगाए जा रहा है कि सरगुजा आईजी इस मामले में काफी कड़क है और हो सकता है कि इस पर बड़ी कार्यवाही कर दें। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाते हुए कहा की 15.12.2024 दिन रविवार शाम 07 बजे रनई में था जहां पटना थाना प्रभारी विनोद पासवान, आरक्षक अमल साथ में उनका चालक सुनील कुर्रे पहुंचे और मुझे बीच रोड़ से जहां मैं स्कूटी में था उन्होंने मुझे वहां से उठा लिया और थाना ले आये। और कहने लगे पैसा दो नहीं तो जेल जाओ क्योंकि तुम जुआ खेलते हो। मेरे साथ दिनेश कुमार केवट जिसे कटकोना से उठाया गया था हम दोनों थाना में ही मिले उसको भी धमकी देते हुये कहा कि तुम भी जुआ खेलते हो, तुम भी पैसा दो नहीं तो तुम्हारा नौकरी खत्म हो जायेगा। हम दोनो ने थाना प्रभारी विनोद पासवान साथ ही उनके सहायेगी अमल के पुलिसिया डर व दबाव के वजह से मैंने कहा कि मेरे पास कैश नहीं है पैसा की व्यवस्था घर जाकर कर दूंगा। इस बीच थाना प्रभारी विनोद पासवान,अमल के साथ चालक सुनील कुर्रे मुझे अपने बुलोरा वाहन में बैठा कर मेरे घर गये जहां पर दरवाजा बंद था और जोर जोर से खटखटाने लगे और विनोद पासवाल द्वारा यह कहा गया कि दजवाजा खोलो नहीं तो दरवाजा तोड़ देंगे और तुम्हारे पति को जेल डाल दूंगा। इतना बात सुनकर मेरी पत्नी निर्मला ने दरवाजा खोली। मेरी पत्नी ने दरवाला खोलते ही पूछा कि क्या बात है तो थाना प्रभारी विनोद पासवान ने ऊंगली दिखाते हुये बदतमीजी से बात करने लगे और कहा कि तुम्हारा पति जुआ खेलता है इसके लिये तुम्हें पैसा देना होगा। मेरे द्वारा पैसा व्यवस्था के लिये मैंने अपने साला गोलू को रात लगभग 12 बजे फोन किया और मैंने पैसा व्यवस्था करने को कहा तो मेरे साला ने पूछा किसे देना है तो विनोद पासवान ने कहा कि मेरे ड्रायवर सुनील के फोन पे में पैसा ट्रांसफर करो। मेरे साला गोलू के द्वारा सुलील के खाता में 45 हजार रूपये डाला गया। 20000, 15000,10000, क्रमशः डाला गया। (पैसा ट्रांसफर की स्क्रीन शॉट संलग्न) उपरोक्त घटना मेरे साथ रहे दिनेश कुमार केवट जो मेरा मित्र भी है और रनई का रहने वाला है उसे भी इसी तरह जुआ का भय दिखाकर आरक्षर अमल द्वारा पैसा ठगी किया और उससे भी कैश 30 हजार रूपये लिया गया। पटना थाना में गलत तरीके से वसुली चल रहा है। हांलाकि मैं जुआ पहले खेलता रहा जिस कारण से पुलिस वालो ने गलत तरीके से फंसाया और हमसे अवैध तरीके से पैसो की वसुली की गयी। अधीनस्थ कर्मचारीयों ने पैसा लेकर मुझ पर कार्यवाही भी किया है। और इमली चौक में रात 1 बजे हमें ले जाकर अपना 52 पत्ता रखकर हमें हाथ में पकड़ाया और विनोद पासवान ने फोटो उतारकर मिडिया व सोशल मिडिया में प्रसारित किया। जिससे हमारे मान-सम्मान धूमिल हुआ। हमारे साथ हुये गलत तरीके से वसुली की राशि लौटायी जाये साथ ही दोषी पाये जाने पर विनोद पासवान, अमल साथ में सुनील पर न्यायोचित कार्यवाही करते हुये मुझे न्याय देने की कृपा करें।

पटना थाना की उपलब्धि गिनवाने वाली कार्यवाही

पटना पुलिस ने झूटी कार्यवाही कर अपनी उपलब्धी गिनवाने के लिए किया कार्यवाही पुलिस के लिए ही गले की फांस बनगई, पुलिस की कहानी के मुताविक सार्वजनिक स्थानों में छुपकर खेल रहे थे जुआ, कोरिया पुलिस ने दबिश देकर हिरासत में लिए 04 जुआरी, लगभग 60 हजार नगदी जप्त की, जुआ खेलने में विशाल रजक सूरजपुर,रतन दास सूरजपुर शमशेर तेंदुवा थाना पटना, दिनेश कुमार रनई थाना पटना जिला कोरिया सामिल थे, पुलिस के अनुसार फलस्वरूप मुखबीर के बताये स्थान पर कोरिया पुलिस द्वारा घेराबंदी कर 04 जुआरी जिसके पास से नगदी रकम 60,030 रूपये तथा 52 पत्ती ताश, पकड़कर सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 3(2) छ.ग.जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही कर थाना पटना में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही किया गया है। उल्लेखनीय है कि थाना पटना के अंतर्गत ग्राम इमली चौक मे लगातार अवैध जुआ खेलने की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नवपदस्थ एसपी कोरिया के निर्देश पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर तत्काल कार्रवाई की है। एसपी कोरिया के निर्देशन में जुआ पर लगातार कार्यवाही की गई है, गत दिवस भी 04 जुआरियों को नगदी रकम के साथ पकड़ा गया था।

जिला युवक कांग्रेस ने प्रदेश में बढ़ते अपराध तथा धान खरीदी के मुद्दे को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
कोरबा, 19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश युवक कांग्रेस के निर्देश पर कोरबा जिला युवक कांग्रेस ने आज टी पी नगर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में युवक कांग्रेस के साथियों के साथ बैठक ली।बैठक में प्रदेश में बढ़ते अपराध तथा धान खरीदी के मुद्दे को लेकर पोस्टर का विमोजन किया और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि सरकार में आने के लिए भाजपा ने किसानों से वायदा किया था कि वे सरकार में आने पर किसानों का धान एक मुश्त 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से लेंगे, लेकिन किसानों को केवल समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, साथ ही कम मात्रा में धान की खरीदी हो रही है जिससे प्रदेश भर में किसान परेशान है। श्री अग्रवाल ने कहा कि कोरबा विधानसभा के अनेकों गांव जैसे स्याहीमुड़ी, गोपालपुर, चोरभट्ठी, भाठापारा, कुदुरमाल, डांडपारा, रामनगर, राजीव नगर, सेमीपाली, बरेड़ीमुड़ा, डूमरमुड़ा, कुमगरी, सुमेंधा, सहिलाभांठा, जमनीपाली बस्ती, नागीन भांठा, लाटा, अगारखार, केंदईखार, डगनियाखार, रूमगड़ा, शिवनगर, चन्द्रनगर, बरमपुर, दूरपा, भिलाईखुर्द, बरबसपुर, कर्रानाला, रापाखर्रा, झगरहा, ढ़ेलवाडीह, सुराकछार, डिंगापुर, दादरखुर्द, खरमोरा आदि गांवो में किसान खेती कर अपना जीवन यापन करते है। इसके अलावा कोरबा में प्रदेश के अन्य ग्रामों से आकर किसान पुत्र नौकरी, मजदूरी व व्यवसाय करते है जिनका मुख्य कार्य आज भी खेती किसानी है जो उनके ग्राम में अनेक परिवार वाले करते है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि कोरबा में एनटीपीसी, सीएसईबी, बालको जैसे बड़े कल कारखाने है, वही एसईसीएल के अधीन अनेक कंपनियां कार्यरत है। इसके बावजूद यहां के योग्य व पढ़े लिखे बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार नही मिल रहा है। हमने पिछले कार्यकाल में बालको के साथ-साथ एसईसीएल के अधीन कार्यरत कम्पनियों में सैकड़ो लोगों को रोजगार दिलाने का काम किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि आपके हर एक अधिकार के लिए लड़ेंगे जरूरत पड़ी तो सड़क पर उतरेंगे। बैठक के दौरान युवक कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज ने बताया कि आगामी 23 दिसंबर को प्रदेश युवक कांग्रेस ने नेतृत्व में रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जावेगा जिसमें कोरबा से अधिक से अधिक संख्या में युवक कांग्रेस के सदस्य एवं पदाधिकारियों को जाना है और आयोजित घेराव प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाना है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री निवास का घेराव प्रदेश के बढ़ते अपराध और धान खरीदी को लकर किया जा रहा है। बैठक को महापौर राजकिशोर प्रसाद, प्रदेश कांग्रेस सचिव विकास सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान ने भी सम्बोधित किया किया। इस मौके पर यू आर महिलांगे, राजेन्द्र सूर्यवंशी मनीराम साहू, रतन याादव, आशीष गुप्ता, राजेश यादव, पवन विश्वकर्मा, विवेक श्रीवास, कमलेश गर्ग, अमित सिंह, सुनील सिंह, निकीता, पुनीता पावले, अजीत कुमार, रवि कुमार, तुषार, प्रेम बरेठ, सुनील निर्मलकर, भुनेश्वर साहू, नरेश कुमार केंवट, जीवेश कुमार पुरायणे, सोनू ठाकुर, काशी नेताम, रिशी चौहान, धीरज निर्मलकर, लक्की साहू, सोनू सिंह, आकाश प्रजापति, मधुर दास महंत, योगेश महंत, गोलू राठौर, अमीत चौहान, मनोज कुमार, पोषण वर्मा, आशुतोष यादव, लव राज, प्रणय, गोलू, घनश्याम, लोकेश राठौर, ग्रीतांश (अर्जुन), करण, प्रदीप, साहील, अनिल सिंह, धनेश, संयम, मयंक, लक्ष्मण, संजीव, अनवर, गणेश, हर्ष, राकेश, गौरीशंकर, पियुश केंवट, अभय यादव, विनय दुबे, कृष्ण कुमार जांगड़े,प्रकाश यादव, शुभम कुर्रे, अनीश, साहील बरमन, आशीष जांगड़े, क्रीतेश, भवानी प्रसाद सागर, आकाश साहनी, उदय बरेठ, नितेश यादव, विक्की, बाबिल, लाल कुमार, मिनकेतन गबेल, लोकेश राठौर, सोनू, विशाल रात्रे, प्रीतम चंद प्रसाद, गौतम भास्कर, सुरेश कुमार अग्रवाल सहित सैकड़ो युवक कांग्रेस के सदस्य उपस्थित थे।

क्या पटना में प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष बनने का सपना टूट गया अब निर्वाचित व्यक्ति ही पहला नगर पंचायत अध्यक्ष होगा ?

एक बार फिर पटना ग्राम पंचायत कार्यालय के नाम को मिटाकर नगर पंचायत कार्यालय पटना लिखा गया है...

आचार संहिता लगते ही प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष बनने का सपना टूट जाएगा मनोनीत अध्यक्ष का...

ग्राम पंचायत कार्यालय का नाम मिटवाकर वर्तमान सरपंच ने खुद ही अपने सामने खड़े होकर लिखवाया नगर पंचायत कार्यालय पटना:सूत्र

फिर से मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष व पार्षद के शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजन करने की उठ रही मांग

जिन्होंने खुद आमंत्रण-निमंत्रण के बाद किया था शपथ ग्रहण के कार्यक्रम का बहिष्कार वही अब कर रहे कार्यक्रम के लिए निवेदन

क्या बहिष्कार करने वालों के झूठी बातों में आयेगा नगर पालिका प्रशासन,जिला प्रशासन ?

क्या होगा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का दुबारा आयोजन ?

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना, 19 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में कांग्रेस शासनकाल में लिया गया पटना को नगर पंचायत बनाने का निर्णय अब मजाक सा लगने लगा है, यह मजाक इसलिए लगने लगा है क्योंकि निर्णय लेने से लेकर पूर्णतः नगर पंचायत बनने तक की स्थिति पर गौर किया जाए तो ग्राम पंचायत बना रहे नगर पंचायत ना बने नगर पंचायत जल्दी अस्तित्व में आए ग्राम पंचायत भंग हो यह सब प्रक्रिया के बीच कोर्ट कचहरी सब चीज हो गई, राजपत्र प्रकाशन से लेकर तमाम तरीके से संतुष्ट करने का प्रयास किया गया पर उसके बाद भी टालमटोल व दो निकायों के बीच कार्यालयों के के बीच वर्चस्व की लड़ाई देखी गई, नगर पंचायत पटना नगर पंचायत होगा यह राजपत्र में प्रकाशित हुआ फिर पुराने निर्वाचित सरपंच व उप सरपंच सहित वार्ड पंचों को शासन के नियमानुसार और नियमों के अनुरूप मनोनीत कर अध्यक्ष उपाध्यक्ष व पार्षद बनाया गया इस राजपत्र को आए अभी 2 महीने से ऊपर हो गए पर किसी ने भी इसे मानने की इक्षा नहीं जताई, यहां तक कि जहां कांग्रेस पार्टी से सम्बद्ध पंचों ने अंदरूनी विरोध किया वहीं भाजपा से सम्बद्ध पंचों ने भी इसका विरोध ही किया, मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षदों के लिए शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया पर शपथ ग्रहण भी नहीं हुआ और सभी मनोनीत सदस्यों ने ही इसका विरोध किया अब जब पंचायत का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है तो फिर से यह मांग उठ रही है कि दोबारा शपथ ग्रहण कराया जाए, और सभी मनोनीत सदस्यों को शपथ दिलाया जाए वहीं यह मांग भी वही कर रहे हैं, जिन्होंने आमंत्रण मिलने के बाद भी झूठ का सहारा लिया और आमंत्रण का बहिष्कार भी किया और आमंत्रण न मिलने का झूठ बोलकर खुद को पाकसाफ भी साबित किया। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर कितने दिन के लिए यह मनोनयन वाले अध्यक्ष व उपाध्यक्ष या पार्षद होंगे या फिर सिर्फ बोर्ड में लिखने मात्रा के लिए यह शपथ ग्रहण करेंगे? वैसे शपथ ग्रहण होगा कि नहीं अभी यह भी तय नहीं है, क्योंकि बहिष्कार के बाद बहिष्कार करने वाले अनुनय विनय करने में लगे तो हैं लेकिन उन्हें अभी सफलता नहीं मिली है। अब सब कुछ किरकिरी कराने के बाद अब प्रथम अध्यक्ष कहलाना पार्षद कहलाना कितना उचित होगा? यह भी अब सवाल है जहां शांतिपूर्वक प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष बनना था वहां पर वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे थे पंचायत की सरपंच नगर पंचायत के सीएमओ दोनों आपसी तकरार पर चल रहे थे। वैसे कांग्रेस से जुड़े पंच पूरे मामले में इस भूमिका में थे कि उन्हें पद मिला नहीं मनोनयन में इसलिए शपथ हो ही न जिससे किसी का प्रथम कहलाना संभव नहीं होगा और सभी उनके साथ नजर आयेंगे। पूरा समीकरण और विरोध कांग्रेस समर्थित पंचों का पेंच था जिसमें भाजपा समर्थित पंच सहयोगी थे और बराबर की उनकी मंशा थी कि यह मनोनयन न हो नगर पंचायत का अस्तित्व समाप्त हो जाए।

अब क्या वर्तमान सरपंच को शपथ ग्रहण न करने का कहीं अफसोस तो नहीं हो रहा ?

वर्तमान सरपंच का खुद खड़े होकर नगर पंचायत के नाम का लेखन पंचायत के नाम को मिटवाकर करवाना यह बतलाता है कि वह स्वीकार कर चुकी हैं कि पटना अब नगर पंचायत ही रहने वाला है। वैसे क्या उन्हें अफसोस हो रहा है और वह शपथ ग्रहण का बहिष्कार कर खुद को ही खुद से ठगा महसूस कर रही हैं क्योंकि अब उनके साथ रहने वाले पंच शपथ ग्रहण की करवाने की मांग कर रहे हैं जबकि उन्हीं के द्वारा सरपंच के साथ मिलकर उसका विरोध किया गया था। वैसे सरपंच सहित उनके साथ रहने वाले पंच अब शपथ ग्रहण न करके कहीं न कहीं अफसोस में हैं।

पंचायत कार्यालय मिटाकर अब पूर्ण नगर पंचायत कार्यालय लिखा गया

अब पटना नगर पंचायत का बोर्ड पंचायत कार्यालय के नाम के आगे लग गया। अब नगर पंचायत लिखा हुआ बोर्ड ही नजर आ रहा है पंचायत कार्यालय में अब कहा जाए तो सभी विरोध करने वालों ने मान लिया कि पटना नगर पंचायत ही रहने वाला है वहीं इस बात को स्वीकार करने वालों में पटना सरपंच उनके समर्थक भी अब शामिल है।

यदि शपथ ग्रहण होता है तो कितने दिनों का कार्यकाल होगा मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं पार्षदों का ?

यदि अब प्रशासन प्रथम बार आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बहिष्कार उपरांत पुनः शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराने की अनुमति नगर पंचायत को देता है और बहिष्कार करने वालों का शपथ ग्रहण होता है जिन्हें शासन ने मनोनीत किया है तो उनका कार्यकाल कितने दिनों का होगा यह देखना होगा। क्या आचार संहिता जल्द लगने वाली है और संभवतः इसी माह नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा होनी है और मनोनयन का कोई विशेष लाभ मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षद नहीं उठा पाएंगे और वह शपथ लेकर भी केवल एक दो दिन बाद पूर्व हो जायेंगे। वैसे प्रथम आयोजित शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार नहीं किया होता इन्होंने तो इन्हें कुछ दिन का अनुभव नगरीय निकाय का होता जिसका लाभ उन्हें चुनाव में होता।

CMYK

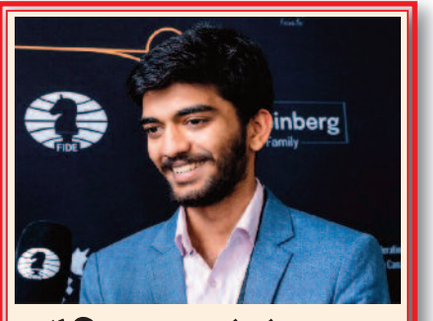

चैंपियन बनने के बाद अब डी गुकेश का सामना मैग्नस कार्लसन से होगा

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। दुनिया के सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का सामना अब अगले साल नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से होगा। टूर्नामेंट यहां 26 मई से 6 जून तक खेला जाएगा। 18 वर्षीय गुकेश ने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स जीता, शतरंज ओलंपियाड में भारत को गोल्ड दिलाया, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में चमके और इसके बाद हाल ही में सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

लेहमैन की आलोचना पर कमिंस ने मुख्य चयनकर्ता बेली का बचाव किया

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली का बचाव किया है, जिसकी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच डैरेन लेहमैन ने तीखी आलोचना की थी। लेहमैन ने उन पर टेस्ट टीम के बहुत करीब होने का आरोप लगाया था, ताकि वे कठिन फैसले न ले सकें।ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के निराशाजनक प्रदर्शन की तीखी आलोचना हुई है, जिसमें उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी और मार्नस लाबुशेन का संयुक्त औसत 14.40 रहा, जो 1887/88 के बाद से घरेलू टेस्ट समर में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तीन खिलाड़ियों का सबसे कम आंकड़ा है। नाथन मैकस्वीनी, विशेष रूप से खुद को कड़ी निगरानी में पाते हैं।

मेलबर्न टेस्ट में जसप्रीत बुमराह रच सकते हैं इतिहास

» निशाने पर कई दिग्गजों का महारिकॉर्ड

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के तहत तीन मैच खेले जा चुके हैं। जिसमें से दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं अब चौथा टेस्ट दोनों टीमों के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में बुमराह के पास अनोखा रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा।

बुमराह को महज 6 विकेट की दरकार

बुमराह अगर इस मैच में 6 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। बुमराह ने अभी तक खेले गए 43 टेस्ट की 83 पारियों में 194 विकेट लिए हैं। बुमराह मेलबर्न में इस आंकड़े को छू लेते हैं तो वह भारत के लिए सबसे तेज

200 टेस्ट विकेट लेने के मामले में रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ जाएंगे। वहीं बतौर तेज गेंदबाज भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बनेंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड कपिल देव के नाम है, जिन्होंने 50वें टेस्ट में ये मुकाम हासिल किया था

बुमराह ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर खेले गए 202 मैच की 240 पारियों में 432 विकेट लिए हैं। अगर वह 3 विकेट हासिल कर लेते हैं भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में इशांत शर्मा को पछाड़कर नौवें नंबर पर आ जाएंगे। इशांत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 199 मैच की 280 पारियों में 434 विकेट झटके हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट

बुमराह अगर 5 विकेट ले लेते हैं तो कामयाब होते हैं तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक रविचंद्रन अश्विन, नाथन लियोन, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। बुमराह ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 33 टेस्ट की 63 पारियों में 145 विकेट लिए हैं।

संन्यास के बाद स्वदेश लौटे रविचंद्रन अश्विन

चेन्नई में हुआ जोरदार स्वागत

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। बीते बुधवार (18 दिसंबर) को रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सबको चौंका दिया।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए अश्विन ने ब्रिसबेन क्रिकेट ग्राउंड में सीरीज के तीसरे टेस्ट के समापन के साथ ही संन्यास का ऐलान किया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बीच में ही क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब अश्विन स्वदेश लौट चुके हैं।अश्विन के गृहराज्य चेन्नई में उनका जोरदार स्वागत हुआ। अश्विन के परिवार के सदस्य और उनके करीबी दोस्तों ने चेन्नई एयरपोर्ट पर स्वागत किया। उनकी वापसी पर प्रशंसकों ने फूल बरसाए और गाजे-बाजे के साथ इस दिग्गज खिलाड़ी का स्वागत किया।शुरुआत में, अश्विन ने एयरपोर्ट पर मीडिया को संबोधित करने से इनकार कर दिया था।

एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवालों पर चुप रहे अश्विन ने अपने आवास के बाहर चुनिंदा पत्रकारों के समूह से बात की। अश्विन ने अपने बेमिसाल टेस्ट करियर में कई कीर्तिमान हासिल किए। उपलब्धियों से भरे टेस्ट करियर के बावजूद उन्हें टीम की कप्तानी करने का कभी मौका नहीं मिल सका।कप्तानी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं अब और नहीं कर सकता। मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। मैंने दूर से बहुत से लोगों को पछताते हुए देखा है, लेकिन मैं अपनी जिंदगी उस तरह नहीं जीना चाहता। अश्विन ने अपने भविष्य के बारे में स्पष्ट किया कि वह चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से ज्यादा से ज्यादा खेलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, मैं सीएसके के लिए खेलने जा रहा हूं और अगर मैं जितना हो सके उतने लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं तो इसमें चौंकाने वाली बात नहीं है। मुझे नहीं लगता कि अश्विन क्रिकेटर के रूप में समाप्त हो गया है।

हिमालयन तहर्स शीर्ष पर कायम

रांची रेंजर्स ने डिवीजन 3 की पहली जीत हासिल की

कोयंबटूर, 19 दिसंबर 2024। युवा कबड्डी सीरीज डिवीजन 3 ने करपगाम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन में पांचवें दिन रोमांचक और दमदार प्रदर्शन का मिश्रण पेश किया।टेबल-टॉपर्स हिमालयन तहर्स ने देहरादून डायनामोज पर 27-26 से जीत दर्ज करके मजबूत वापसी की और शीर्ष पर अपना दबदबा बनाए रखा।

डायनामोज ने खेल के अधिकांश समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन अंतिम मिनट में लवप्रीत सैनी के शानदार टैकल ने तहर्स के पक्ष में रुख मोड़ दिया। लाल सिंह ने नौ रेड पॉइंट के साथ तहर्स के लिए रेडिंग प्रयास का नेतृत्व किया, जबकि दीपक लोहान ने डायनामोज के लिए नौ रेड पॉइंट बनाए, लेकिन उन्हें समर्थन की कमी खली। रांची रेंजर्स ने चंबल चैलेंजर्स पर 58-44 की शानदार जीत के साथ सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रिंस कुमार रॉय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 रेड पॉइंट बनाए, जबकि राहुल गोप ने रेंजर्स के खाते में 17 रेड पॉइंट जोड़े। चैलेंजर्स के अजय मरावी और अभिषेक कुमार के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, जिन्होंने क्रमशः 19 और 16 रेड पॉइंट बनाए, उनकी टीम रेंजर्स के लगातार हमले का सामना नहीं कर सकी। दिन की शुरुआत एक रोमांचक मैच से हुई, जिसमें लद्दाख वॉल्व्स ने देहरादून डायनामोज पर 41-36 से जीत हासिल की। अंतिम 10 मिनट तक खेल बराबरी पर था, लेकिन वॉल्व्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त हासिल कर ली। अनिल कुमार के सुपर 10 और राजन सिंह मन्हास के शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन ने सात टैकल पॉइंट और चार रेड पॉइंट का योगदान देकर वॉल्व्स की जीत सुनिश्चित की। डायनामोज के लिए शुभम देशवाल के सुपर 10 और पंकज शर्मा के नौ टैकल पॉइंट के बावजूद, वे अंतिम क्षणों में पिछड़ गए।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कई दिग्गज भारतीय क्रिकेटर लेंगे संन्यास

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने अचानक बुधवार (18 दिसंबर) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया।उन्होंने यह फैसला तब लिया जब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के आने वाले मुकाबले मेलबर्न और सिडनी में खेले जाने हैं, जहां स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है।ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बड़े बदलाव के दौर से गुजरने वाली है। कई और अनुभवी खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड सीरीज से पहले संन्यास की घोषणा कर देंगे।रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया सीरीज कई अनुभवी खिलाड़ियों की आखिरी सीरीज होगी। भारतीय टीम अगले साल जून-जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। अश्विन का संन्यास लेना इसी की शुरुआत है।अश्विन, विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा और रविंद्र जडेजा वो खिलाड़ी हैं जो 2012 और 2013 के बीच भारतीय टीम में हुए बड़े बदलाव का हिस्सा थे।उस समय राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण ने संन्यास लिया था।

अश्विन को जब पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला तभी उन्होंने संन्यास लेने का मन बना लिया था।हालांकि, कप्तान रोहित जब टीम के साथ जुड़े तो उन्होंने अश्विन को पिंक बॉल टेस्ट खेलने के लिए मना लिया।इसके बाद तीसरे टेस्ट में भी अश्विन को मौका नहीं मिला और उनकी जगह जडेजा खेले। कप्तान रोहित ने ये बात गाबा टेस्ट खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अश्विन के मामले में यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब, कहां और क्या संदेश मिला।हालांकि, जब 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को पर्थ टेस्ट में मौका नहीं मिला और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेले। वह तभी समझ गए थे कि उन्हें अब ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे।पहले 2 टेस्ट मैच में जडेजा को भी मौका नहीं मिला था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उन्होंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया।

अश्विन ने 106 टेस्ट में 24 की औसत से 537 विकेट लिए। उन्होंने अपने करियर में 37 बार 5 विकेट हॉल लिए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/59 विकेट का रहा।बल्लेबाजी में उन्होंने 25.75 की औसत से 3,503 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 शतक और 15 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 124 रन रहा।उन्होंने 116 वनडे में 33.20 की औसत से 156 विकेट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 65 मैच में 23.22 की औसत से 72 विकेट लिए थे।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खेली जा रही है। सीरीज का चौथा मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।यह सीरीज अभी 1-1 की बराबरी पर है। ऐसे में दोनों टीमों के लिए चौथा मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है।मेलबर्न के मैदान पर कई ऐसे भारतीय बल्लेबाज हैं, जिनका प्रदर्शन कमाल का रहा है। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं। इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने इस मैदान पर साल 1991 में अपना पहला मुकाबला खेला था।आखिरी बार वह यहां 2011 में खेलते हुए नजर आए थे।मेलबर्न के मैदान पर सचिन ने 5 मैच की 10 पारियों में 44.90 की औसत से 449 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 1 शतक और 3 अर्धशतक निकले थे। उनका यहां सर्वश्रेष्ठ स्कोर 116 रन रहा था। दूसरे स्थान पर अजिंक्य रहाणे हैं। उन्होंने साल 2014 में यहां पहला टेस्ट खेला था।

विराट कोहली की मेलबर्न एयरपोर्ट पर हुई ऑस्ट्रेलिया मीडिया से भिड़ंत

नईदिल्ली, 19 दिसंबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) का चौथा टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है।इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम के मेलबर्न पहुंच चुकी है।इसी दौरान एयरपोर्ट पर स्टार भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया मीडिया से भिड़ गए।रिपोर्ट्स हैं कि वे उन्हें परिवार की फोटो लेने से मना कर रहे थे, लेकिन चैनल-7 के कैमरामैन नहीं माने। इस कारण कोहली को गुस्सा आ गया।कोहली को जवाब देते हुए ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने कहा कि एयरपोर्ट पब्लिक की प्रॉपर्टी है।बता दें किकोहली अपने परिवार को मीडिया से दूर रखना पसंद करते हैं। कई बार उन्हें अपने बच्चों की तस्वीर नहीं लेने की बातें कहते हुए देखा गया है।इस सीरीज में पर्थ टेस्ट के शतक को छोड़ दें तो उनका बल्ला कुछ खास कमाल नहीं कर पाया है। उन्होंने 4 अन्य पारियों में सिर्फ 26 रन बनाए हैं। कल की कोहली ने अचानक संन्यास का ऐलान लेने वाले रविचंद्रन अश्विन के लिए सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने आपके साथ 14 साल तक खेला और अब आप संन्यास ले रहे हैं तो मैं थोड़ा भावुक हो गया। आपके साथ खेले गए उन सभी सालों की यादें मेरे सामने आ गईं। मैंने आपके साथ हर पल का आनंद लिया है, आपका भारतीय टीम के लिए योगदान बेमिसाल है और आपको हमेशा क्रिकेट के दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा।कोहली का फॉर्म अभी कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में चौथे टेस्ट में उनसे एक बड़ी पारी की उम्मीद होगी।भारतीय दिग्गज ने मेलबर्न के मैदान पर 3 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 6 पारियों में 52.66 की औसत के साथ 316 रन बनाने में सफल रहे हैं।उनके बल्ले से इस मैदान पर 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 169 रन रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में सबसे कमाऊ फिल्म बनी पुष्पा 2

सबसे तेज और पहले पार किया 600 करोड़ का आंकड़ा

पुष्पा 2: द रूल इस वक्त देश और दुनिया के बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। पुष्पा 2: द रूल वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर 1500 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रही है और भारत में 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार होने जा रहा है। वहीं, पुष्पा 2:द रूल देश से विदेश और तेलुगू से हिंदी समेत सभी भाषाओं में धमाल मचा रही है। अब अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने हिंदी पट्टी में नया रिकॉर्ड कायम किया है। पुष्पा 2: द रूल ने हिंदी में कमाई का 600 रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अब ऐसा करने वाली पुष्पा 2: द रूल साउथ ही नहीं बल्कि इंडियन सिनेमा की पहली फिल्म बन गई है। बता दें, पुष्पा 2 इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की इकलौती ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेज 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। पुष्पा 2 ने रिकॉर्ड अपने 13वें दिन की कमाई से खड़ा किया है। अपनी रिलीज के दो हफ्ते पूरे होने से पहले पुष्पा 2 ने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सभी फिल्मों को कमाई के मामले में धूल चटा दी है। बता दें, घरेलू बॉक्स ऑफिस (सभी भाषाओं में) पुष्पा 2 ने 953 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और फिल्म का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 1450 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है। पुष्पा 2 इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कोरोना के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। पुष्पा 2 आज कल में इंडिया में सभी भाषाओं में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बाहुबली 2 का रिकॉर्ड (1030 करोड़ रुपये) तोडने जा रही है। वहीं, वर्ल्ड वाइड कमाई में पुष्पा 2 तीसरी सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई है।

बेबी जॉन में डबल रोल में नजर आएंगे वरुण धवन,नया पोस्टर आया सामने

अभिनेता वरुण धवन इस साल का समापन एक धमाकेदार अंदाज में करने जा रहे हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म बेबी जॉन की रिलीज बेहद नजदीक है।इन दिनों वह फिल्म के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर यानी 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इससे पहले अब निर्माताओं ने बेबी जॉन का नया पोस्टर साझा किया है, जिसमें वरुण डबल रोल में नजर आ रहे हैं।बेबी जॉन में वरुण डबल रोल में नजर आएंगे और यह पहला मौका होगा, जब अभिनेता अपने करियर में फिल्म में डबल किरदार निभाने वाले हैं। वरुण के एक किरदार का नाम डीसीपी सत्या वर्मा है, जबकि दूसरे का जॉन।बेबी जॉन की स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में वरुण के अलावा कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और राजपाल यादव जैसे सितारे भी अभिनय करते नजर आएंगे। जैकी श्रॉफ और सान्या मल्होत्रा भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। वरुण धवन के साथ एटली के कोलैबोरेशन का बहुत अधिक इंतजार किया जा रहा है, खासकर उनके पिछले फिल्मों की सफलता के बाद. निर्देशक कलीश और प्रोड्यूसर एटली के विजन और स्टोरटेलिंग की क्षमता ट्रेलर में साफ है, जिसने पहले ही फैंस और क्रिटिक्स से समान रूप से महत्वपूर्ण ध्यान और प्रशंसा प्राप्त की है।

अनुष्का सेन ने इंटरनेट पर ढाया कहर

एक्ट्रेस की खूबसूरती देखकर फैंस हुए फिदा

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।अनुष्का सेन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर दिलखोलकर अपना प्यार लूटाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट जबरदस्त है। वो जब भी इंस्टाग्राम पर अपनी फोटोज शेयर करता है तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

805 करोड़ का अनुपूरक बजट हुआ पारित

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

जोगी परिवार की कांग्रेस में वापसी के संकेत

रायपुर,19 दिसम्बर 2024(ए)। कांग्रेस में जल्द ही जोगी परिवार की वापसी हो सकती है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखकर विलय का प्रस्ताव भेजा है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रेणु जोगी ने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी की गठित पार्टी की विचारधारा कांग्रेस की है। पार्टी की कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि पार्टी का कांग्रेस में विलय हो। सभी पदाधिकारी और सदस्य कांग्रेस में प्रवेश करना चाहते हैं। डॉ. रेणु जोगी ने प्रवेश कराने का अनुरोध किया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया अनुकंपा नियुक्ति का आदेश

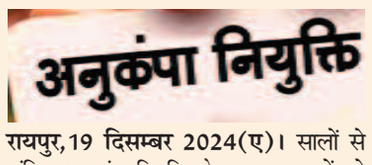

रायपुर,19 दिसम्बर 2024(ए)। सालों से लंबित अनुकंपा नियुक्ति के 353 प्रकरणों को उप मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दे दी है। इन लोगों को नगर निगम,नगर पालिका,नगर परिषद, नगर पंचायत में भृत्य, सफाईकर्मी, चौकीदार, माली, वाहन चालक,और तृतीय श्रेणी अन्य पदों पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी. इसका आदेश नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय ने जारी किया है।

नक्सल घटनाओं को लेकर गूंजा सदन...

रायपुर,19 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 805 करोड़ रुपए का द्वितीय अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।
उल्लेखनीय है कि, मंगलवार 17 दिसंबर को विधानसभा में 805 करोड़, 71 लाख, 74 हजार, 286 रुपए का अनुपूरक बजट विभिन्न मदों के लिए पेश किया था। उस पर लंबी चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित हुआ द्वितीय अनुपूरक बजट। इससे पहले विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बजट का विरोध करते हुए कहा था कि, इसमें सबका साथ सबका विकास नहीं दिख रहा है। इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब देते हुए कहा कि, कांग्रेस ने पीएम आवास के लिए पैसा नहीं दिया, क्योंकि उसमें पीएम का नाम था।

नक्सल घटनाओं पर गरमाई सदन की कार्यवाही

वहीं आज गुरुवार को सदन में अनुपूरक बजट पर चर्चा से पहले नक्सल घटनाओं का मुद्दा उठा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने 1 जुलाई 2024 से नवंबर 2024 तक नक्सली- पुलिस मुठभेड़ के संबंध में जानकारी मांगी। जवाब देते हुए उप मुख्यमंत्री और प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि, प्रदेश में इस दौरान 142 नक्सली मुठभेड़ की घटना हुई। इनमें 5 जवान शहीद, 34 जवान घायल हुए हैं। इस अवधि में नक्सलियों ने 24 आम नागरिकों की हत्या की। मुठभेड़ों में 76 नक्सली मारे गए, 338 को गिरफ्तार किया गया।

4 घोटालेबाज अफसर सस्पेंड, सड़क निर्माण में गड़बड़ी

विधानसभा में आज डिप्टी सीएम और पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने एक सड़क निर्माण में गड़बड़ी के मामले में 5 लोगों को निलंबित करने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने ठेकेदार से वसूली करने और उसके खिलाफ एफआईआर करने की भी घोषणा की है। मामला दंतेवाड़ा जिला का है। यह मामला सदन में प्रश्े नकाल के दौरान बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने उठाया। उन्होंने पूछा था कि जिला निर्माण समिति, दंतेवाड़ा अंतर्गत डीएमएफ मद से स्वीकृत प्रधानमंत्री सड़क योजना अंतर्गत कोरकोट्टी सड़क निर्माण कार्य एवं ग्राम हिरोली से हेल्प सेंटर तक पहुंच मार्ग भाग-1 व 2 की टेंडर/रिटेंडर कब-कब हुआ और इसकी लागत राशि कितनी है? कार्यादेश कब हुआ एवं उसकी एजेंसी व प्रोपाईटर का नाम, पता सहित बतायें? योजनांतर्गत मिट्टी कार्य अनुबंध के तहत् कितने घनमीटर की दर से किया जाना था और कितने दर से किया किया गया और कितनी लागत आयी? सड़क निर्माण अंतर्गत अनियमितता के संबंध में शिकायत प्राप्त हुयी है? यदि हां, तो क्या-क्या अनियमितता पायी गयी और उसके जिम्मेदार कौन हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही, किनके द्वारा की गयी?

हजारों महिलाओं के खातों में नहीं पहुंची महतारी वंदन की राशि

छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने पात्र महिलाओं को 1000 रूपये दिए जाते हैं। इस माह 3 दिसंबर को सरकार ने राशि जारी की मगर प्रदेश भर की 38 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में रकम नहीं पहुंची। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने इसको लेकर प्रश्नकाल में सवाल पूछा, जिसके जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने इसकी वजह बताते हुए योजना के लाभान्वितों के आंकड़ों के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं।

छत्तीसगढ़ में विधायकों का बढ़ा भत्ता

विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ संशोधन विधेयक

छत्तीसगढ़ में विधायकों का भत्ता बढ़ा दिया गया है. एक हजार की जगह अब दैनिक भत्ता 2 हजार रुपए दिया जाएगा. यह संशोधन विधेयक आज विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ

30 से अधिक बिस्तर वाले अस्पतालों को फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य : जायसवाल

छत्तीसगढ़ विधानसभा में तीसरे दिन की कार्यवाही शुरू होते ही छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल का आज एक साल पूरा होने पर सदस्यों ने उन्हें बधाई दी है. इसके बाद भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने सवाल किया कि प्रदेश में कितने सरकारी और प्राइवेट अस्पताल है. इन अस्पतालों में फायर सेफ्टी सिस्टम के क्या प्रावधान है. फायर सेफ्टी सिस्टम का आडिट कब कब हुआ. जिन अस्पतालों में फायर सिस्टम अपडेट नहीं है, या सिस्टम नहीं है, उन पर क्या कार्रवाई हुई? जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम विहारी जैसवाल ने सदन को बताया कि प्रदेश में 1129 प्राइवेट अस्पताल हैं. सरकारी अस्पतालों के पंजीकरण का कोई प्रावधान नहीं है. छत्तीसगढ़ सरकार की 29 नवंबर 2022 की अधिसूचना के अनुसार, 30 से अधिक बिस्तर वाले और क्रिटिकल केयर यूनिट वाले अस्पतालों को फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है. जिन अस्पतालों में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं है, उनके लायसेंस सस्पेंड और निरस्तीकरण के साथ जुर्माने का भी प्रावधान है।

विपक्ष की अनुपस्थिति में पास हुआ छत्तीसगढ़ नगर पालिका संशोधन विधेयक नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का रास्ता साफ

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नगर पालिका संशोधन विधेयक पारित हो गया है। इस विधेयक के पास होने से नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का रास्ता साफ हो गया है। संशोधन के तहत अब नगरीय निकायों का कार्यकाल पूरा होने के बाद 6 माह तक प्रशासकों की नियुक्ति की जा सकेगी।
नए संशोधन के अनुसार, महापौर और नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव अब प्रत्यक्ष रूप से जनता के माध्यम से होगा। इससे स्थानीय निकायों में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।विधेयक में यह भी प्रावधान है कि निकाय और पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण अधिकतम 50 प्रतिशत के नियम के तहत दिया जाएगा। यह संशोधन विधेयक विधानसभा में विपक्ष की अनुपस्थिति के दौरान पारित किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने हमर अस्पतालों की जांच कराने की घोषणा की

सामुदायिक भवनों को रंग रोगन करके हमर क्लिनिक बनाए जाने की शिकायतों की जांच की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधानसभा में आज यह घोषणा की। बीजेपी विधायक राजेश मूणत के प्रश्न का जवाब देते हुए मंत्री ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार की गलती के कारण इस योजना में काम नहीं हो पा रहा है, लेकिन अब केंद्र से फंड मिलते ही काम तेजी से होगा। मंत्री ने सदन में यह भी स्पष्ट किया कि यह योजना पूरी तरह केंद्र सरकार की योजना है। केंद्र सरकार की आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना का नाम बदलकर यहां अमर क्लिनिक कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि 15वें वित्त आयोग ने 2021-22 में इस योजना के लिए 338 करोड़ रुपये जारी किया था, लेकिन वित्त विभाग ने समय पर इस राशि को अंतरित नहीं किया। इसकी वजह से केंद्र सरकार ने दूसरी किस्त जारी नहीं की। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार पर 723 करोड़ का जुर्माना लगाया था। जुर्माना जमा करने में भी राजे य की तरफ से लापरवाही हुई। लेकिन अब उसे सुधार कर लिया गया है। जुर्माना की राशि जमा कर दी गई है। जले द ही दूसरी किस्त केंद्र सरकार की तरफ से जारी कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राशि मिलते ही बाकी बचे 184 अस्पतालों का काम किया जाएगा।

दीपक बैज ने ओरछा मुठभेड़ को बताया फर्जी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज तीसरा दिन है। पहले और दूसरे दिन की तरह आज भी सदन में हंगामेदार का आसार है। विपक्ष स्थगन प्रस्ताव की चर्चा करने की मांग करेगी। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होती ही डिप्टी सीएम विजय शर्मा, लोक स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े अपने विभाग से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देंगे।
वहीं दूसरी ओर आज सदन में फर्जी मुठभेड़ का मामला भी उठेगा। सदन में कार्यवाही शुरू होने से पहले पीसीसी चीफ दीपक बैज का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ओरछा में हुए मुठभेड़ को फर्जी बताया है। बैज ने कहा कि 4 निर्दोष बच्चे को गोली मारा गया है।
इस मामले को विधानसभा में कांग्रेसी विधायक उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमने नेताप्रतिपक्ष और विधायकों से कहा कि प्रश्नकाल और शून्यकाल में मुद्दा उठाए। विधानसभा की ज्वाइंट कमिटी से जांच की मांग करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर-अंबिकापुर-बिलासपुर हवाई सेवा का स्वामी विवेकानंद विमानतल पर किया शुभारंभ

रायपुर,19 दिसम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर-अंबिकापुर-बिलासपुर हवाई सेवा का स्वामी विवेकानंद विमानतल पर आज शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि आज छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। रायपुर-अंबिकापुर-बिलासपुर विमान सेवा का शुभारंभ हमारे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के विस्तार का प्रतीक है। इस सेवा का आरंभिक किराया मात्र 999 रुपये है, जो यह सुनिश्चित करता है कि आम जनता भी हवाई यात्रा का लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में जो परिवर्तन आया है, उसका यह एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज की सवारी करेगा और आज वह सपना साकार हो रहा है। सरगुजा और बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों की एयर कनेक्टिविटी से न केवल नागरिकों को सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि इन क्षेत्रों में टूरिज्म और आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी। राज्य सरकार ने 80 करोड़ की लागत से अंबिकापुर के एयरपोर्ट का विकास किया है द्य माँ महामाया एयरपोर्ट, अंबिकापुर को श्री सी वीएफआर श्रेणी का लाइसेंस प्राप्त हुआ है । यह एयरपोर्ट 72-सीटर एटीआर-72 विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि

अंबिकापुर को वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली और कोलकाता से जोडने की योजना पर भी काम जारी है।हमारे छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरें, और इको-टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, रामगढ़ की पहाड़ियां, और एशिया का नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जलप्रपात जैसे स्थलों तक अब देश-विदेश के पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। इसके साथ ही,एयर कनेक्टिविटी के विस्तार से निवेश का माहौल भी बेहतर होगा। हमारी सरकार ने नई उद्योग नीति में होम स्टे और रिसॉर्ट्स जैसे उद्यमों को विशेष प्रोत्साहन दिया है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। हमारी कोशिश है कि अगले चार वर्षों में छत्तीसगढ़ को विमानन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाए।
मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नया साल आने वाला है, और मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि इस नई विमान सेवा का लाभ उठाएं और सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लें। फ्लाई बिग चार्टर कंपनी 19-सीटर ट्विन औटर विमानों के माध्यम से इन शहरों के लिए सेवाएं देगी। विमान टेकऑफ़ को वाटर सेल्यूट दिया गया। आज प्रारंभ हुई विमान सेवा के पहले यात्री के रूप में सांसद चिंतामणि महाराज सपत्नीक सवार हुए, जिनको मुख्यमंत्री साय ने बोर्डिंग पास देकर कहा कि आज आपने इतिहास बना दिया। आप इस रूट के पहले यात्री है, आपको शुभकामनाएं। इस अवसर विधायक राजेश अग्रवाल, प्रबोध मिंज, रामकुमार टोप्पो, मुख्यमंत्री के सचिव बसवराजु, संचालक विमानन विभाग संजीव झा, फ्लाई बिग कंपनी के सीएमडी संजय मांडविया उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के बीच

एक भारत-श्रेष्ठ भारत योजना के तहत हुआ एमओयू

रायपुर,19 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के बीच 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत योजना के तहत एमओयू संपादित किया गया है। इस समझौते के तहत भारतीय एकता की भावना को मजबूत करने, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने, नवाचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए दोनों राज्य परस्पर सहयोग करेंगे।
इस परस्पर समझौते से उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक संबंधों के एक नए दौर की शुरुआत होगी, जिससे दोनों राज्यों के कलाकार लाभान्वित होंगे। दोनों राज्यों के स्थापना दिवस सहित राष्ट्रीय पर्वों के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर दोनों राज्यों के सांस्कृतिक कलाकार एक-दूसरे के राज्यों में प्रस्तुतियां देंगे। दोनों राज्यों के विविध सांस्कृतिक विधाओं के क्षेत्र में परस्पर विनिमय से दोनों राज्यों के कलाकार और सांस्कृतिक कर्मियों को लाभ होगा। प्राचीन काल से दोनों राज्यों के मध्य स्थापित संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।
उत्तरप्रदेश सरकार की ओर से संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह और उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग की ओर से उप संचालक डॉ. पीसी पारख उपस्थित थे।
मान्यता है कि छत्तीसगढ़ रामायण कालीन अयोध्या की महारानी और श्रीराम की माता कौशल्या का मायका था। श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय इसी क्षेत्र में व्यतीत किया था। यहाँ माता कौशल्या की जन्मस्थली चंदखुरी, लवकुश की जन्मस्थली तुरतुरिया और शबरी का आश्रम शिवरीनारायण होने की मान्यता जन-जन में आज भी जीवंत है।

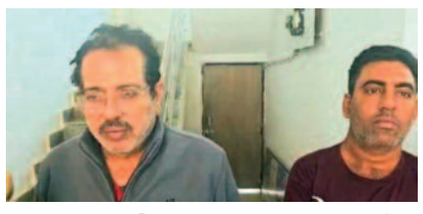

सट्टेबाजी के सरगना और एजेंट चढ़ा पुलिस के हत्थे

बिलासपुर,19 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने शहर के सट्टा कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सट्टेबाजी के सरगना दिनेश टेकवानी और उसके एजेंट अनिल गंगवानी को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि दिनेश टेकवानी ने अपने अवैध कारोबार को चलाने के लिए एजेंटों को सैलरी पर रखा हुआ था। पुलिस की कार्रवाई के तहत एजेंट से पूछताछ के बाद सरगना का खुलासा हुआ और उसे भी गिरफ्तार किया गया। एसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर सट्टेबाजी के कारोबार को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही थी। तोरवा थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अनिल गंगवानी सट्टा लिखता है और उसे दिनेश टेकवानी प्रति माह 20 हजार रुपए की सैलरी देता है। इसके बाद पुलिस ने स्वर्ण जयंती नगर स्थित पत्रकार कॉलोनी के निवासी दिनेश टेकवानी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के पास से सट्टा पट्टी, पांच मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया है।

पुलिस आरक्षक भर्ती के गड़बड़ी मामले में पुलिस ने ही दर्ज किया एफआईआर

राजनांदगांव,19 दिसम्बर 2024(ए)। शहर में पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। जिसके बाद पुलिस विभाग द्वारा ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कर दिया गया है।
16 नवम्बर से आरक्षक पद पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी, इस दौरान पासिंग रिजल्ट के अंकों में कुछ गड़बड़ियां नजर आई। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया और भर्ती प्रक्रिया का डेटा चेक कराया जिसमें कई खामियां सामने आई है। इसके बाद इस मामले में डीएसपी के द्वारा एफआईआर दर्ज कर दिया गया है। इस मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के डेटा टाइमिंग टेक्नोलॉजी को लेकर गहन अध्ययन कराया गया। इसमें गड़बड़ी नजर आई। उन्होंने कहा कि इसके बाद हैदराबाद की कंपनी जो भर्ती प्रक्रिया करवा रही थी उससे डिटेल मांगा गया, जिसमें कई विसंगतियां मिली। 20 से अधिक प्रतिभागियों का डेटा संदेह हास्पद मिला, जिसकी सीसीटीवी फुटेज निकलवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि डेटा ऑपरेटर के द्वारा ऐसे माक्स की एंट्री की गई जो कैंडिडेट ने अटेम्प्ट नहीं किया था। उन्होंने कहा कि इसमें बड़े स्तर की जालशाजी हुई है।इस भरती प्रक्रिया में गड़बड़ी नजर आने के बाद सीसीटीवी फुटेज से वास्तविक डेटा कंफर्म होने के बाद इस मामले में भर्ती प्रक्रिया में गोला फेक प्रभारी रही डीसीपी अजाक अनुप्रिया ठाकुर द्वारा लालबाग थाने में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। वहीं पुलिस विभाग द्वारा इस भर्ती प्रक्रिया की गड़बड़ी के तह तक जाने अपनी जांच शुरू कर दी गाई है। एफआईआर के बाद अब जांच के लिए टीम बनाई गई है, जो इस पर कार्य करी है।

राजरानीबुक नाम से सट्टा खिलाने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,19 दिसम्बर 2024(ए)। जिले में ऑनलाइन सट्टा गिरोह के मास्टरमाइंड मधुर जैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के पास से वनप्लस 9 प्रो और आईफोन 14 प्रो मोबाइल फोन, एचपी लैपटॉप, और एप्पल टैबलेट जब्त किया गया है. वहीं पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस ने 14 मई 2024 को आईपीएल के दिल्ली और लखनऊ के क्रिकेट मैच के दौरान छपराटोला में छापा मारकर गिरोह के सदस्य प्रकाश और हर्ष जायसवाल को गिरफ्तार किया था. इसके बाद से ही गिरोह का मास्टरमाइंड मधुर जैन और उसका साथी रितेश सुल्तानिया फरार चल रहे थे. पुलिस की लगातार निगरानी के बाद मुख्य आरोपी मधुर जैन आखिरकार दबोचा गया।

दुकान वाली के साथ गैंगरेप

सिगरेट खरीदने के बहाने पहुंचे थे हैवान

बिलासपुर,19 दिसम्बर 2024(ए)। कोनी थाना क्षेत्र में घर में घुसकर युवती के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। आरोपियों ने वारदात के बाद युवती को धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)